mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-184 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
05 जुलाई 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पीएम मोदी ने राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन कियां

बोले: भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा-संकट से उबरा

2 हजार तक पहुंच सकती थी घरेलू सिलेंडर की कीमत, सप्लाई में कमी नहीं आने दी

बालोतरा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (शनिवार) राजस्थान के दौरे पर हैं। दोपहर करीब 12 बजे वह बालोतरा के पचपदरा पहुंचे। यहां देश की सबसे आधुनिक रिफाइनरी के कंट्रोल रूम को देखा और एक्सपर्ट्स से बात की। इसके बाद रिफाइनरी का उद्घाटन किया। जयपुर मेट्रो के फेज-2 की आधारशिला (वर्चुअल) भी रखी।

पीएम ने कहा- युद्ध के कारण जो हालात पैदा हुए, उसके कारण घरेलू गैस के दाम 2 हजार रुपए तक जा सकते थे। सरकार ने

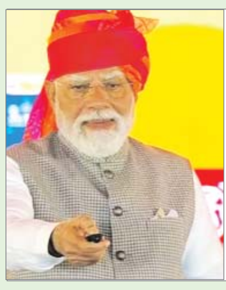

इसको लेकर बेहतर मैनजमेंट किया। इसी का परिणाम है, सिलेंडर 950 रुपए के करीब मिल रहा है।

युद्ध के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिखा: अप्रैल से जून के बीच पेट्रोल-डीजल से ही कंपनियों को 75 हजार करोड़ रुपए का घाटा हुआ। ये इतना बड़ा था कि एक नई रिफाइनरी बन जाए। ये घाटा सरकारी खजाने से भरा गया।

युद्ध के समय भारत की दूसरे देशों से दोस्ती बहुत काम आई। पहले जहां 25-26 देशों से ईंधन खरीदते थे, वह 40 देशों तक पहुंच गया। युद्ध के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिखा।

भाजपा जो प्रोजेक्ट शुरू करती है, पूरा करके दम लेती है: पीएम मोदी ने कहा- गर्मी के इस मौसम में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना यह दिखाता है भाजपा सरकार के प्रयासों पर आपका विश्वास कितना बुलंद है। मैं इस समर्थन के लिए राजस्थान की माटी का ऋणी हूं। आज राजस्थान की इस धरती से भारत ने विकसित होने, आत्मनिर्भर होने की दिशा में बहुत बड़ा कदम उठाया है। आज का दिन सा है कि भाजपा सरकारें परियोजनाओं का शिलान्यास करके नहीं छोड़तीं।

नया भारत अपने संकल्पों से पीछे नहीं हटता... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- दो महीने पहले रिफाइनरी में जो हादसा हुआ, उसके बाद इतनी तेजी से काम पूरा करना, ये कठिन परिश्रम का परिणाम है। सभी ने दिखा दिया, चुनौती कितनी भी बड़ी क्यों न हो, नया भारत अपने संकल्पों से न तो पीछे हटता है और न ही रफ्तार कम करता है। पश्चिमी एशिया में हुए युद्ध के कारण 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हो गया

महाराष्ट्र के भिवंडी में 3 फीट पानी भरा, दुकानें बंद

● गुजरात में बाढ़, 19 लोगों का रेस्क्यू ● उज्जैन में युवक बहा, जमू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, रोड बंद

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं।

राजस्थान के जयपुर में तेज

बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया। मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 26 से ज्यादा जिलों में शुक्रवार को तेज बारिश हुई। उज्जैन में पुलिया पार करने की कोशिश में युवक मोटरसाइकिल समेत बह गया। यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। कानपुर में ल्रस्ङ्करू मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइक आधी डूब गई। वहीं जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड के चलते रामनगर-उधमपुर रोड बंद कर दी गई। पुरी में 'यलो अलर्ट',बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बनने से भारी बारिश का अनुमान भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने ओडिशा के पुरी में 'येलो अलर्ट' जारी किया, आज और कल शहर में 'भारी बारिश' का अनुमान है।

: ब्रीफ बॉस :

मध्यम वर्ग भारत की वृद्धि का इंजन

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- 500 शहर बनेंगे नए आर्थिक केंद्र

नई दिल्ली,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को मध्यम वर्ग को भारत की वृद्धि का इंजन बताया। फ्रांस के प्रमुख आर्थिक मंच 'रेनकाट्रेस इकोनमिक्स डि एक्स-एन-प्रोवेंस' में एक पैनल चर्चा के दौरान सीतारमण ने कहा कि लगभग 500 शहर देश के अगले आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरने के लिए तैयार हैं। आज भारत की जनसंख्या का 31 प्रतिशत मध्यम वर्ग है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि जब से भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था खोली है, तब से मध्यम वर्ग की वृद्धि की वार्षिक दर 6.3 प्रतिशत है।

प्रियंका गांधी वाड्रा की जेठानी का भूमि विवाद हाईकोर्ट पहुंचा

ऊधम सिंह नगर (रुद्रपुर), एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की जेठानी सायरा वाड्रा से जुड़ा किच्छा का चर्चित 8 एकड़ खान फार्म भूमि विवाद अब उत्तराखंड हाईकोर्ट पहुंच गया है। जबरन कब्जे और प्रशासन की कथित मिलीभगत के आरोपों वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने संबंधित एसडीएम और किच्छा कोतवाली के थानाध्यक्ष को 6 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। साथ ही सिविल कोर्ट के 11 जून के आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की एकलपीठ के समक्ष दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रशासन की कथित मिलीभगत से विवादित खान फार्म पर कब्जा कर लिया गया।

सरकार ने 23 नए आतंकी घोषित किए, 17 पाकिस्तान के रहने वाले

6 जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी; लिस्ट में कुल 80 नाम

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार को 23 लोगों को आतंकी घोषित किया है। सरकार का कहना है कि ये सभी जैश-ए-मोहम्मद (JeM), लश्कर-ए-तैयबा (LeT), द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) और जमात-उद-दावा (JuD) जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैं।

सरकार के मुताबिक ये लोग आतंकियों की भर्ती, भारत में घुसपैठ, आतंकी हमलों की साजिश, आतंक के लिए पैसे जुटाने, हथियार पहुंचाने और अन्य मदद करने में शामिल रहे हैं।

घोषित 23 आतंकियों में 6 जम्मू-कश्मीर के मूल निवासी हैं, जबकि 17 पाकिस्तान के रहने वाले हैं। इनमें 7 पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) और 10 पाकिस्तान में रह रहे हैं।

कुछ आतंकी 2016 नगरोटा आर्मी कैंप हमला और 2022 सुनजवां हमले से जुड़े: सरकार ने जिन जैश आतंकियों को लिस्ट में शामिल किया है। उनमें कुछ 2016 के नगरोटा आर्मी कैंप हमले और 2022 के सुनजवां हमले से जुड़े बताए जा रहे हैं। 29 नवंबर 2016 को जम्मू के नगरोटा आर्मी कैंप पर सेना की वर्दी पहनकर आए तीन आतंकियों ने हमला किया था।

खामेनेई की विदाई में काले कपड़े पहने लाखों लोग पहुंचे

खून बहेगा, बदला-बदला के नारे लगाए; ट्रम्प बोले- ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी

तेहरान,एजेंसी। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए शनिवार को लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे हैं। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाते दिखे। इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए।

तेहरान में 3 जुलाई से खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी।

कल शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने खामेनेई के अंतिम संस्कार के

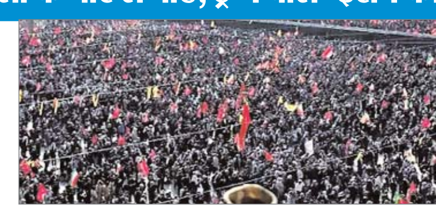

लिए ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी है। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने मानवता के नाते ऐसा किया है। कार्यक्रम खत्म होने के तुरंत बाद ईरान को अमेरिकी शर्तें माननी होंगी।

ईरानी खुफिया मंत्रालय बोला- खामेनेई की मौत का बदला लेंगे: ईरान के खुफिया मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल के हमलों में मारे गए खामेनेई और दूसरे लोगों की मौत का बदला लिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि हमारे जख्म तब तक नहीं भरेंगे जब तक हत्या के जिम्मेदार लोगों से बदला नहीं लिया जाता।

अंतिम संस्कार के चलते ईरान ने अमेरिका से बातचीत रोकी... अंतिम संस्कार के चलते ईरान ने अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत फिलहाल रोक दी है। वहीं ईरान की सेना ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी है कि अंतिम संस्कार के दौरान किसी भी तरह हमले की कार्रवाई से बचें। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, 'हमने ईरान को अंतिम संस्कार के लिए एक हफ्ते की छुट्टी दी है, क्योंकि हम अच्छे लोग हैं। वे समझौता करने के लिए बेताब हैं।

अमरनाथ यात्रा: 40 दिन में घटकर 4 फीट के हुए बाबा बर्फानी

» 23 मई को जारी पहली तस्वीर में आकार 7 फीट था

पहलगाम/बालटाल,एजेंसी। अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार 4 फीट रह गया है। 23 मई को क्र्स्न्न के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था।

29 जून को प्रथम पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 3 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग

लगभग 4 फीट का दिखाई दे रहा है। इसकी चौड़ाई भी घट गई है।

यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है। पहले दिन 12 हजार यात्रियों ने अमरनाथ गुफा में दर्शन किए हैं। दूसरा जत्था आज पहुंचेगा, जबकि तीसरा जत्था भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हो गया है।

आइस स्टैलेग्माइट हैं अमरनाथ के बाबा बर्फानी... अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है। इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है। यही इसकी सबसे अनोखी विशेषता है। शिवलिंग इसलिए तेजी से घट रहा है क्योंकि गुफा में बढ़ती मानवीय और प्राकृतिक गतिविधियों से मौसम गर्म हो रहा है। ऊपर से टपकने वाला पानी पहले की तरह जम नहीं पा रहा है।

बेंगलुरु डे-केयर मामला, पैरेंट्स बोले- बच्चों में डर फैला

वॉशरूम जाने से डरते हैं, केयरटेयर की आवाज सुनकर कांप जाते थे

बेंगलुरु,एजेंसी। बेंगलुरु के डे-केयर सेंटर में बच्चों से बदसलूकी मामले में नया खुलासा हुआ है। वायरल वीडियो में जिस बच्ची के साथ बेहरमी की गई। पुलिस ने उसके पैरेंट्स से पूछताछ की।

मां ने बताया कि उनकी बेटी के मन में डर बैठ गया। वह बाथरूम जाने से मना करती, रोने लगती और वहां से भाग जाती थी। बच्ची में यह बदलाव डे-केयर सेंटर में डालने के दो महीने बाद ही दिखने लगा था।

वहीं एक तीन साल के बच्चे के माता-

पिता ने बताया कि उनके बेटे के व्यवहार में भी बदलाव दिखा। वह डे-केयर में कुछ केयरगिवर्स की आवाज सुनकर कांप और सहम जाता था।

दरअसल 1 जुलाई को बेंगलुरु की आईटी कंपनी कैपजेमिनी के एचएएल कैंपस स्थित डे-केयर सेंटर का वीडियो सामने आया था। जिसमें बच्चों को टॉयलेट में बंद कर दिया गया था। चेहरे पर जेट स्प्रे से पानी डाला गया और वॉशिंग मशीन में बिठाया गया था। मामले में पुलिस ने पहले पांच महिला केयरगिवर्स के खिलाफ केस दर्ज किया था। एक को अरेस्ट कर लिया है।

मंगेतर की हत्या की आरोपी सिया का दूसरा मोबाइल मिला

» चेतन से कोडवर्ड में चैटिंग करती थी; दोनों 14 दिन येरवदा जेल में रहेंगे

पुणे,एजेंसी। पुणे की वडगांव अदालत ने शुक्रवार को केतन अग्रवाल की हत्या के आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दोनों को पुणे की येरवदा जेल में रखा जाएगा। पुलिस ने दोनों की कस्टडी बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। कोर्ट में पेशी के दौरान सिया और चेतन ने नार्को (पॉलीग्राफ) टेस्ट से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि एक दिन सिया के वकील ने पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए सिया की सहमति होने का बात कही थी।

वडगांव कोर्ट के जज एएम विभूते ने कहा कि आरोपियों की सहमति के बिना यह टेस्ट नहीं किया जा सकता, इसलिए अब उनका नार्को टेस्ट नहीं होगा। सिया और चेतन पर आरोप है कि उन्होंने केतन को 18 जून को पुणे के लोहगढ़ फोर्ट से धक्का देकर मार डाला था। केतन और सिया की शादी इस साल नवंबर में होने वाली थी।

कोडवर्ड में चैट करते थे चेतन और सिया, एक और मोबाइल जब्त: पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि सिया और चेतन ने हत्या की साजिश रचते समय बातचीत के लिए 'कोडवर्ड' का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल से डिलीट किया गया बड़ा डेटा रिकवर कर लिया है और उसमें इस्तेमाल की गई सांकेतिक

मर्डर में तीसरे शख्स के शामिल होने का शक... पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने बीड से एक युवक को हिरासत में लिया है। यह युवक बालेवाड़ी की एक कंपनी में काम करता है। दावा है कि तीसरा शख्स सिया या केतन में किसी एक का दोस्त है। दोनों ने उससे केतन के मर्डर की प्लानिंग शेयर की थी। हालांकि युवक का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस युवक को गवाह भी बना सकती है।

भाषा को डिकोड करने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी।

दोनों की चैट में कोड वाली भाषा है, जिसमें निकनेम और इमोजी शामिल हैं, जिनका मतलब सिर्फ आरोपी ही बता सकते हैं। पुलिस ने शुक्रवार को सिया के घर से एक और मोबाइल जब्त किया है। जिसे छिपाकर रखा गया था।

दुनिया में बढ़ेगी गर्मी: अल नीनो के मजबूत होने की आशंका

» सूखे का खतरा; मौसम को लेकर डब्ल्यूएमओ ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली ,एजेंसी। दुनिया भर में मौसम के मिजाज में खतरनाक बदलाव दिख सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने शुक्रवार को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थितियां आने वाले महीनों में तेजी से मजबूत हो सकती हैं। इसके कारण दुनिया के कई हिस्सों में भीषण लू, सूखा, मूसलाधार बारिश और अन्य चरम मौसमी घटनाओं का खतरा काफी बढ़ गया है।

डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जुलाई से सितंबर के दौरान अल नीनो के बेहद मजबूत रूप में विकसित होने की प्रबल आशंका है। डब्ल्यूएमओ की महानिदेशक सेलेस्ट साउलो ने कहा कि अल नीनो की शुरुआत हो चुकी है और हमारे अनुमान के मुताबिक यह तेजी से एक शक्तिशाली रूप अख्तियार करने जा रहा है।

राम मंदिर के बाद केदारनाथ-बद्रीनाथ से चढ़ावा चोरी का आरोप

● कर्मचारियों को नोटिस, तीन दिन में जवाब मांगा ● जांच के लिए सीसीटीवी सुरक्षित रखा

देहरादून,एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर के बाद अब केदारनाथ और बद्रीनाथ मंदिर से भी चढ़ावा चोरी का आरोप लग रहा है। धार्मिक संगठन भैरव सेना के अध्यक्ष संदीप खत्री ने बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (BKTC) को पत्र लिखकर BKTC अध्यक्ष के निजी सहायक पर चोरी के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत मिलने के बाद BKTC के सीईओ सोहन सिंह रांगड़ ने निजी सहायक समेत सभी ड्यूटी कर्मचारियों को नोटिस जारी कर तीन दिन के अंदर जवाब मांगा है। मंदिर के सीसीटीवी फुटेज को जांच के लिए सुरक्षित रख लिया गया है।

BKTC अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि मंदिर समिति इस मामले को गंभीरता से ले रही

है। जिन कर्मचारियों पर आरोप लगाए गए हैं, उन्हें स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी कर दिया गया है। यदि कोई कर्मचारी दोषी पाया जाता है, तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मामले पर सीएम पुष्कर सिंह धामी की तरफ से अभी कोई बयान सामने नहीं आया है। सरकार मामले में मंदिर समिति की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

तमिलनाडु में मंत्री की जनता से अपील मंदिरों में गड़बड़ियों की दें सूचना

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के मंत्री एस. रमेश ने शुक्रवार को जनता से अपील की कि वे विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण वाले मंदिरों में अनियमितताओं, नौकरी के बदले पैसे लेने और अन्य गलत कामों की रिपोर्ट करें।

मंत्री ने हाल ही में तिरुचेंदूर के एक मंदिर में निरीक्षण के दौरान भक्तों को जल्दी दर्शन कराने के लिए मंदिर के कर्मचारियों से जुड़े अवैध लेन-देन को उजागर किया था। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपनी शिकायतें सबूत के साथ भेजें। रमेश ने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि मेरा कार्यालय और मैं इन शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करेंगे।' उनकी यह अपील मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साफ-सुथरा और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन देने के आश्वासन के बाद आई है।

दिल्ली में नालों की सफाई अंतिम चरण में, जलभराव को लेकर संवेदनशील इलाकों पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या को कम करने के लिए दिल्ली सरकार की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सरकार ने दावा किया है कि कि शहर के 90 प्रतिशत से अधिक नालों की डी-सिल्टिंग (गाद निकालने) का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही जलभराव संभावित 445 स्थानों की पहचान कर वहां विशेष निगरानी और त्वरित राहत व्यवस्था की गई है। 2023 में यमुना में आई भारी बाढ को देखते हुए यमुना किनारे आठ तटबंध तैयार किए गए हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर बाढ़ नियंत्रण कार्यों में सेना की सहायता लेने की भी व्यवस्था की गई है।

लोक निर्माण विभाग

सरकार के आंकड़ों के अनुसार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 2,123 किलोमीटर लंबे नालों में से लगभग 1,955 किलोमीटर की सफाई पूरी कर ली है। जिसमें पूर्वी जोन में 539.34 किलोमीटर, दक्षिण जोन में 603 किलोमीटर और उत्तरी जोन में 812 किलोमीटर तक नालों से गाद निकाली जा चुकी है।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने अपने अधीन 77 प्रमुख नालों से गाद निकालने का 93 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। विभाग ने अब तक 31 लाख मीट्रिक टन से अधिक गाद निकाली है। विभाग के पास कुल 382 किलोमीटर लंबे नालों का जिम्मा है, जिनमें नजफगढ़ नाला, बारापुला नाला और दिल्ली गेट नाला प्रमुख हैं।

नगर निगम : नगर निगम ने भी अपने पहले चरण के लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की है। 25 जून तक निगम ने 793 बड़े नालों से 1.70 लाख मीट्रिक टन गाद हटाई, जो निर्धारित लक्ष्य का 125.88 प्रतिशत है।

● नई दिल्ली नगर पालिका परिषद

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र में सभी 7,888 बेल-माउथ और 4,833 गली ट्रैप की 100 प्रतिशत सफाई पूरी कर ली है। इसके अलावा 340 वर्षा जल संचयन प्रणालियों में से 337 की सर्विसिंग कर 99.12 प्रतिशत कार्य पूरा किया गया है। जनवरी से जून 2026 के बीच एनडीएमसी क्षेत्र से कुल 885 घन मीटर गाद हटाई गई। बता दें कि संवेदनशील क्षेत्रों में अस्थायी पंप, स्वचालित पंपिंग स्टेशन और क्विक रिस्पांस टीमों की तैनाती की गई है ताकि वर्षा के दौरान पानी की निकासी तुरंत सुनिश्चित की जा सके। मानसून के दौरान निगरानी और त्वरित कार्रवाई के लिए सरकार ने 16 फ्लड कंट्रोल पोस्ट स्थापित किए हैं। इनमें नौ यमुना नदी के किनारे, चार नजफगढ़ नाले पर, दो सप्लीमेंट्री ड्रेन पर और एक जहांगीरपुरी ड्रेन के पास बनाया गया है। इसके अलावा यमुना किनारे आठ तटबंध तैयार किए गए हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर बाढ़ नियंत्रण कार्यों में सेना की सहायता लेने की भी व्यवस्था की गई है। सरकार की प्राथमिकता ड्रेनेज नेटवर्क को पूरी तरह कार्यशील बनाना है ताकि भारी वर्षा के दौरान भी जलभराव से लोगों को परेशानी न हो। इसके लिए अतिरिक्त मानव संसाधन लगाए गए हैं और तय समयसीमा के अनुसार काम तेजी से चल रहा है। मैंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि निकाली गई गाद का ठीक तरीके से निस्तारण किया जाए ताकि वह दोबारा नालों में न पहुंचे।

तमिलनाडु में मंत्री की जनता से अपील, मंदिरों में गड़बड़ियों की दें सूचना

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मंत्री एस. रमेश ने शुक्रवार को जनता से अपील की कि वे विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण वाले मंदिरों में अनियमितताओं, नौकरी के बदले पैसे लेने और अन्य गलत कामों की रिपोर्ट करें। मंत्री ने हाल ही में तिरुचेंदर के एक मंदिर में निरीक्षण के दौरान भक्तों को जल्दी दर्शन कराने के लिए मंदिर के कर्मचारियों से जुड़े अवैध लेन-देन को उजागर किया था। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपनी शिकायतें सबूत के साथ भेजें। रमेश ने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि मेरा कार्यालय और मैं इन शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करेंगे।' उनकी यह अपील मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के साफ-सुथरा और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन देने के आश्वासन के बाद आई है।

सत्ताधारी टीवीके ने पिछली सरकार द्वारा मंजूर किए गए 46 मंदिर परियोजनाओं के लिए प्रशासनिक मंजूरी रद कर दी थी। पार्टी का कहना था कि मंदिर के फंड का इस्तेमाल कमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए नहीं किया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने कुन्नूर में मंदिर के फंड से बनने वाले मल्टी-लेवल कार पार्किंग प्रोजेक्ट को भी रद कर दिया, जिसे पिछली सरकार ने प्रस्तावित किया था। टीवीके विधायक को रिश्वत देने की कोशिश मामले में पांच और गिरफ्तार तमिलनाडु पुलिस ने बताया कि उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक एन. एलैयाराजा को रिश्वत देने की कोशिश के आरोप में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे इस मामले में गिरफ्तार लोगों की संख्या आठ हो गई है।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, स्कूलों के 500 मीटर दायरे में स्टिंग एनर्जी ड्रिंक की बिक्री पर रोक

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने बच्चों के शुक्रवार को स्वास्थ्य और सुरक्षित खानपान को लेकर एक अहम फैसला लेते हुए राज्य के सभी स्कूलों के 500 मीटर के दायरे में स्थित दुकानों पर 'स्टिंग' (Sting) एनर्जी ड्रिंक की बिक्री पर रोक लगाने की घोषणा की है. राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल ने विधानसभा में इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यह फ़ैसला स्कूली बच्चों पर एनर्जी ड्रिंक्स के असर को लेकर चिंता के बीच लिया गया है. सरकार बच्चों में कैफीनयुक्त पेय पदार्थों के बढ़ते सेवन को लेकर गंभीर है और उनकी सेहत की सुरक्षा के लिए यह कदम उठाया गया है. सरकार जल्द ही इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करेगी और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा. विधानसभा में भाजपा विधायक विक्रम पचपुते के सवाल का जवाब देते हुए, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल ज़िरवाल ने कहा कि यह फ़ैसला स्कूली बच्चों पर एनर्जी ड्रिंक्स के असर को लेकर चिंता के बीच लिया गया है. मंत्री ने कहा कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन को रोक लागू करने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों से कहा गया है कि वे स्टूडेंट्स को एनर्जी ड्रिंक्स पीने से जुड़े हेल्थ रिस्क के बारे में बताने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएं. स्वास्थ्य विशेषज्ञ के अनुसार, एनर्जी ड्रिंक्स में अक्सर कैफीन और चीनी ज़्यादा होती है. स्कूल परिसर में और उसके आसपास 'स्टिंग' एनर्जी ड्रिंक की बिक्री के बारे में विधानसभा सदस्य द्वारा उठाई गई चिंताएं कुछ हद तक सही हैं. ज़िरवाल ने कहा, 'अगर स्कूल कैंपस के 500 मीटर के अंदर ऐसे एनर्जी ड्रिंक्स या किसी दूसरी नशीली चीज की बिक्री पाई जाती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी.' विधायक पचपुते ने यह भी पूछा कि क्या सरकार 18 साल से कम उम्र के बच्चों को एनर्जी ड्रिंक बेचने पर रोक लगाने वाला कोई नियम लाएगी. चर्चा के दौरान, विधायक राहुल कुल और वरुण सरदेसाई ने सरकार से बच्चों को ऐसे ड्रिंक्स आसानी से मिलने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की अपील की. जिरवाल ने कहा कि सरकार स्कूल स्तर पर जागरूकता कैंपेन को मजबूत करेगी और प्रस्तावित रोक को असरदार तरीके से लागू करना पक्का करेगी।

काशी विश्वनाथ मंदिर गेट पर सिपाही की कार्बाइन से अचानक चली गोली, 3 जख्मी

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार पर शनिवार को ड्यूटी पर तैनात एक सिपाही की कार्बाइन से अचानक गोली चल गई। गोली सड़क पर लगी और गिट्टियां छिटककर पास में मौजूद दो दुकानदारों और एक अन्य व्यक्ति को लग गई। तीन लोग जख्मी हो गए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया है। फिलहाल सभी लोग खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है जिस सिपाही की कार्बाइन से गोली चली वह मंदिर की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात था। घटना के बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल घायलों को उपचार के लिए कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार निक्की गुप्ता, रामबाबू और विकास यादव के हाथ और पैर में हल्की चोटें आई हैं और उनकी हालत खतरे से बाहर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोली चलने की आवाज सुनते ही मंदिर परिसर और आसपास मौजूद लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तत्काल स्थिति को नियंत्रित कर लोगों को सुरक्षित स्थान पर हटाया। जानकारी के अनुसार जिस पीएसी सिपाही की कार्बाइन से गोली चली, वह मंदिर के गेट नंबर चार पर सुरक्षा ड्यूटी में तैनात था। घटना के बाद उसे चौक थाने ले जाया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है कि कार्बाइन किस परिस्थिति में गिरी और गोली कैसे चल गई।

पीएम का फर्जी वीडियो अपलोड़ करने वाले पर मुकदमा दर्ज

जयपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एआइ जनरेटेड वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड़ किया गया है। इस मामले में जयपुर के भाजपा प्रवक्ता और वकील खेमचंद शर्मा ने मुहाना पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। शर्मा का आरोप है कि फेसबुक पर जयपुर के कार्तिकेय भारद्वाज नाम के व्यक्ति ने पीएम मोदी का एआइ जनरेटेड वीडियो अपने अकाउंट पर पोस्ट किया है। यह वीडियो प्रधानमंत्री पद की गरिमा के विपरीत है यह वीडियो लोगों की भावनाओं को आहत करने वाला है यह सैंवधानिक पद पर बैठे पीएम के खिलाफ अविश्वास की भावना पैदा करता है। इसके माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित देश के नेता की छवि धूमिल की जा रही है।

आंध्र प्रदेश में ग्रीन स्टील का नया युगः चंद्रबाबू ने कडप्पा में रखी जेएसडब्ल्यू स्टील प्लांट की नींव

जम्मलमडुगु (आंध्र प्रदेश), एजेंसी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कडप्पा जिले के जम्मलमडुगु मंडल के सुन्नापुरापल्ले में 16,350 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले जेएसडब्ल्यू रायलसीमा स्टील प्लांट का उद्घाटन किया. इसके बाद, उन्होंने विजयनगरम जिले में जिंदल इंडस्ट्रियल पार्क का भी वर्चुअली (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए) उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने कहा, 'रायलसीमा के लिए स्वर्ण युग की शुरुआत हो चुकी है. मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि स्टील प्लांट की स्थापना के साथ ही रायलसीमा के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत हो चुकी है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे रायलसीमा का विकास करके इसे एक खुशहाल बच्चे की तरह संवारेंगे. पिछले शासन पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे उस विनाशकारी शासन के कारण राज्य को पहुंचे नुकसान को दूर कर उसे फिर से नया जीवन दे रहे हैं. अब रायलसीमा उद्योगों, निवेशों और नौकरियों से गुलजार हो गया है और वे यह साबित कर रहे हैं कि यह पत्थरों की नहीं, बल्कि रत्नों (रत्नालसीमा) की धरती है. मुख्यमंत्री ने अपने पुराने वादे को याद दिलाते हुए कहा कि उन्होंने रायलसीमा में प्लांट लगाने की बात कही थी, जबकि अतीत में यहाँ केवल धोखे की आधारशिलाएं यानी फर्जी शिलान्यास ही देखे गए. उन्होंने भरोसा जताया कि जेएसडब्ल्यू रायलसीमा प्लांट के साथ आंध्र प्रदेश एक 'स्टील स्टेट' बन जाएगा और अब केवल विशाखापत्तनम ही नहीं, बल्कि रायलसीमा भी एक स्टील हब के रूप में विकसित हो रहा है. इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री निवास वर्मा, स्थानीय विधायक आदिनारायण रेड्डी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष माधव और अन्य नेता भी शामिल हुए. सालाना 20 लाख टन उत्पादन क्षमता के साथ बनाए जा रहे इस स्टील प्लांट को दो चरणों में पूरा करने का लक्ष्य है. पहले चरण में 4,500 करोड़ रुपये की लागत से 10 लाख टन क्षमता वाली यूनिट बनाई जाएगी दो साल में शुरू होने वाला यह पहला चरण एक हजार लोगों को रोजगार देगा. दूसरे चरण में, 11,850 करोड़ रुपये के निवेश के साथ प्लांट की क्षमता को 10 लाख टन और बढ़ाया जाएगा ।

बांबे हाई कोर्ट ने वर्दीधारियों को आईना दिखाया, अदालत में सहयोग तो थाने में धौंस दिखाती है पुलिस

मुंबई, एजेंसी। आम आदमी पुलिस की धौंस से अच्छी तरह वाकिफ है, लेकिन अदालतों को भी इससे दो-चार होना पड़ता है। बांबे हाई कोर्ट की पुलिस पर एक तल्ख टिप्पणी से इसे समझा जा सकता है। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि अदालतों के सामने पुलिस का व्यवहार सहयोगपूर्ण होता है, लेकिन थाने में वह धौंस दिखाती है। हाई कोर्ट ने एक पुलिस अधिकारी पर लगाए गए जुर्माने के आदेश को वापस लेने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की। यह जुर्माना उस पर इसलिए लगाया गया था, क्योंकि उसने बार-बार अनुरोध किए जाने के बाद भी आरोपितों को शिकायत की कापी नहीं दी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस गौतम अंखड़ की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें अदालत से पालघर के वाडा पुलिस स्टेशन के एसएचओ पर 25 हजार का जुर्माना लगाने वाले जून के उसके आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया था। अतिरिक्त लोक अभियोजक मनकुंवर देशमुख ने कहा कि जिस अधिकारी पर जुर्माना लगाया गया है, वह शिकायत की कापी रोकने के लिए जिम्मेदार नहीं है, बल्कि किसी दूसरे अधिकारी ने कापी उपलब्ध नहीं कराई। हाई कोर्ट ने हालांकि इस स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया और अदालत व थाने में पुलिस अधिकारियों के व्यवहार के बीच अंतर पर टिप्पणी की। उच्च न्यायालय ने कहा, 'यहां अदालत में आपके अधिकारी बहुत सहयोगपूर्ण व्यवहार दिखाते हैं, लेकिन पुलिस स्टेशन में वे धौंस दिखाते हैं।

● कोर्ट ने जून में भी जताई थी नाराजगी

जून में अपने आदेश में इसी पीठ ने पुलिस अधिकारियों के प्रति नाराजगी जाहिर की थी कि उन्होंने आरोपित व्यक्तियों को शिकायत या प्राथमिकी की कापी मुहैया नहीं कराई, जो कानूनी रूप से जरूरी है। हाई कोर्ट तब एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जो उन लोगों की ओर से दायर की गई थी, जिनके खिलाफ वाडा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उनका दावा था कि वे थाने में गए और प्राथमिकी की कापी मांगी, लेकिन एसएचओ ने कापी नहीं दी।

अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए विवश : पीठ ने अपने आदेश में यह भी कहा था कि उसके समक्ष ऐसी कई याचिकाएं सामने आ चुकी हैं,

क्या आत्मघाती हमले में मारे गए पाक कोस्ट गार्ड के 30 से अधिक जवान बलूच लिबरेशन आर्मी ने किया बड़ा दावा

बलूचिस्तान, एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया है कि उसने ग्वादर जिले के जिवानी के पनवान इलाके में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड के एक शिविर पर फिदायीन हमला किया। संगठन ने दावा किया कि इस हमले में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड के 30 से अधिक जवान मारे गए और कई अन्य घायल हुए। यह जानकारी द बलूचिस्तान पोस्ट की एक रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए ने दावा किया कि यह हमला शुक्रवार शाम उसके विशेष दस्ते मजीद ब्रिगेड ने किया। संगठन के मुताबिक, अत्ताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल नाम के एक हमलावर ने विस्फोटकों से भरा माजदा ट्रक स्थानीय समयानुसार शाम करीब 6:32 बजे कोस्ट गार्ड के शिविर में घुसा दिया, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ।

कोस्ट गार्ड के किले को कैसे मलबे में किया तब्दील: बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने एक बयान में कहा, 'इस शक्तिशाली विस्फोट के परिणामस्वरूप कोस्ट गार्ड का किले जैसा शिविर पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया।' बीएलए के मीडिया विंग 'हक्काल' ने 43 सेकंड का एक वीडियो भी जारी किया है। संगठन का दावा है कि इसमें विस्फोटकों से भरा ट्रक शिविर के भीतर प्रवेश करता और उसके तुरंत बाद बड़ा विस्फोट होता दिखाई देता है।

मैं अपने बारे में लिखी रोचक खबर पढ़ता हूं, ट्रंप ने बताया कैसे बिताते हैं व्हाइट हाउस में समय

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वैंस के पॉडकास्ट में शामिल हुए। यहां वे अपने शरीर और व्हाइट हाउस में अपना समय कैसे बिता रहे है। इसके बारे में बताया। ट्रंप ने वैंस के 'स्टोरीटाइम विद द सेकंड लेडी' पॉडकास्ट में भाग लिय। जिसे शुक्रवार को ऑनलाइन पोस्ट किया गया था। इस दौरान राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस हिस्टोरिकल एसोसिएशन की बच्चों की किताब 'प्रेसिडेंट्स प्ले!' पढ़ी, जिसमें राष्ट्रपतियों को खेल का आनंद लेते हुए और व्हाइट हाउस और उसके मैदानों का मनोरंजन के लिए उपयोग करते हुए दर्शाया गया है।

क्या राष्ट्रपति ट्रंप अखबार पढ़ते हैं: वहीं, जब वैंस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें मनोरंजन के लिए पढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे ज्यादातर अखबार ही पढ़ते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आमतौर पर अपने बारे में लिखी गई कहानियां पढ़ता हूं।'

ट्रंप ने अमेरिका के अन्य राष्ट्रपति के बारे में क्या कहा: जैसे ही ट्रंप बच्चों की किताब के पन्ने पलट रहे थे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपतियों के बारे में टिप्पणियां कीं। कुछ चुटकुले सुनाए और व्हाइट हाउस परिसर में बन रहे अपने विशाल भोज कक्ष का प्रचार भी किया। उन्होंने लिंडन जॉनसन को कठोर व्यक्तित्व, रोनाल्ड रीगन को उच्च गुणों वाला व्यक्ति और आपके पिता की तरह राष्ट्रपति बताया। वहीं, जॉन एफ. कैनेडी को दूसरे सबसे आकर्षक राष्ट्रपति के रूप में वर्णित किया। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उनके अनुसार सबसे आकर्षक राष्ट्रपति कौन था। रिचर्ड निक्सन, जो वाटरगेट कांड में फंसने के बाद पद से इस्तीफा देने वाले एकमात्र राष्ट्रपति थे, 'शायद खुद ही मुसीबत में फंस गए थे।' महामंदी के दौरान राष्ट्रपति रहे हर्बर्ट हूवर को पुस्तक में 'हूवर बॉल' नामक एक खेल खेलते हुए दर्शाया गया है, जिसे उन्होंने खुद बनाया था। ट्रंप ने चुटकी लेते हुए कहा। 'यह उनके लिए अर्थव्यवस्था से भी बेहतर साबित हुआ।'

बराक ओबामा के बारे में क्या कहा: ट्रंप के लंबे समय से उपहास का निशाना रहे बराक ओबामा को बास्केटबॉल खेलते हुए चित्रित किया गया था।

ट्रंप ने उन्हें 'बराक हुसैन ओबामा' कहकर संबोधित किया।

खामेनेई के जनाजे की प्रक्रिया शुरू, अंतिम यात्रा के लिए ये शहर ही क्यों चुने

तेहरान, एजेंसी। आयतुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा की प्रक्रिया शुरू हो गई। अमेरिका-इस्राइल के हमले में 28 फरवरी को उनकी मृत्यु हुई थी। अब युद्धविराम की घोषणा के बाद, उन्हें नम आंखों से विदाई दी जा रही। खामेनेई के जानजे में कई देशों के प्रमुख और प्रतिनिध भी शामिल होंगे। अंतिम यात्रा दो देशों और पांच शहरों से होकर गुजरेगी। इस प्रक्रिया में सात दिन लगेंगे।

1. तेहरानः खामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरुआत 3 जुलाई को ईरान की राजधानी तेहरान से हुई। खामेनेई, उनकी पत्नी, बेटी, दामाद और 14 महीने की पोती के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए तेहरान की ग्रैंड मोसाला मस्जिद में रखा गया है। आम जनता के साथ-साथ 100 से अधिक देशों के विदेशी गणमान्य व्यक्ति और प्रतिनिधि श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। खामेनेई के पार्थिव शरीर को यहां तीन दिनों तक रखा जाएगा। 6 जुलाई को, तेहरान के विभिन्न हिस्सों से खामेनेई की अंतिम यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

2. कोमः चौथे दिन, खामेनेई के पार्थिव शरीर को तेहरान से कोम ले जाया जाएगा। यह 7 जुलाई को कोम पहुंचेगा। कोम शिया इस्लाम का एक प्रमुख केंद्र है। उनके अंतिम प्रस्थान को चिह्नित करने के लिए वहां कई धार्मिक कार्य किए जाएंगे।

3. नजफः कोम के बाद, खामेनेई के पार्थिव शरीर को इराक ले जाया जाएगा। 8 जुलाई को, खामेनेई के ताबूत को इराक के पवित्र शहर नजफ ले जाया जाएगा। नजफ शिया समुदाय के सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। इमाम अली की दरगाह पर एक सार्वजनिक अंतिम यात्रा निकाली जाएगी।

4. कर्बलाः नजफ के बाद, खामेनेई के पार्थिव शरीर को इराक के पवित्र शहर कर्बला ले जाया जाएगा, जहां इमाम हुसैन और उनके भाई अब्बास की पवित्र दरगाहों पर अंतिम यात्रा निकाली जाएगी।

5. मशहदः 9 जुलाई को, सभी धार्मिक समारोहों को पूरा करने के बाद, खामेनेई के पार्थिव शरीर को पूर्वोत्तर ईरानी शहर मशहद वापस लाया जाएगा। मशहद खामेनेई का गृह जिला है। उन्हें 9 जुलाई को मशहद में ऐतिहासिक और पवित्र इमाम रजा श्राइन परिसर में दफनाया जाएगा।

इन पांच शहरों को क्यों चुना गया

ईरान और इराक के ये पांच शहर इस्लामी मान्यताओं के, विशेषकर शिया समुदाय के, पवित्र केंद्र हैं। इसलिए, ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई, जो कई वर्षों तक दुनिया के सबसे प्रमुख शिया धर्मगुरु रहे। उनके पार्थिव शरीर को इन सभी स्थानों पर ले जाया जाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्राइल के साथ हुए भीषण युद्ध के बाद यह घटनाक्रम ईरान की ताकत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगा।

लोगों ने अंतिम विदाई पर क्या कहा

अपनी मां के साथ अंतिम यात्रा में शामिल हुई 27 वर्षीय हनानेह मूसावी ने रोते हुए कहा, 'मैं अपने प्रिय नेता अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने आई हूं। मैंने कभी ऐसे दिन की उम्मीद नहीं की थी। काश मैं इस त्रासदी से पहले ही मर गई होती।' वहीं, तेहरान से लगभग 530 किलोमीटर दूर उत्तर-पश्चिमी शहर तबरीज से आए अली काजेमी ने कहा, 'हम अंतिम यात्रा में इसलिए शामिल हुए क्योंकि यह दिखा सकें कि हम सभी अपने देश और धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।' ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा की प्रक्रिया शुरू हो गई। अमेरिका-इस्राइल के हवाई हमलों में 28 फरवरी को उनकी मृत्यु हुई थी। इसके बाद खामेनेई के पार्थिव शरीर को फोरेंसिक मुर्दाघर के रेफ्रिजरेटेड कोल्ड स्टोरेज में सुरक्षित रखा गया था। युद्धविराम की घोषणा के बाद, अब उन्हें नम आंखों से विदाई दी जा रही है।

एनएसयूआई ने शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन, एपीएस विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली की उच्चस्तरीय जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा। (निप्र)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) रीवा इकाई ने शनिवार को मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के रीवा आगमन के दौरान अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (एपीएसयू) में कथित शैक्षणिक, प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। संगठन ने विश्वविद्यालय में व्याप्त समस्याओं की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि विश्वविद्यालय में लंबे समय से प्रशासनिक अव्यवस्थाएं, शैक्षणिक अनियमितताएं और छात्र हितों की उपेक्षा की जा रही है जिससे हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है संगठन ने कहा कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो छात्रों के हित में चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू किया जाएगा ज्ञापन में प्रमुख रूप से छात्रों को मिलने वाली शासकीय योजनाओं के लाभ में हो रही देरी का मुद्दा उठाया गया संगठन ने आरोप लगाया कि संबल योजना, मेधावी छात्र योजना और विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की राशि पात्र विद्यार्थियों तक समय पर नहीं पहुंच रही है इसके अलावा कई छात्रों की शुल्क वापसी (फीस रिफंड) वर्षों से लंबित है जिससे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एनएसयूआई ने परीक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में परीक्षाएं और परिणाम लगातार विलंब से घोषित किए जा रहे हैं इससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है और उन्हें उच्च शिक्षा तथा रोजगार के अवसरों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने विशेष रूप से एमएससी प्रथम सेमेस्टर की लंबित परीक्षाओं को शीघ्र आयोजित कराने की मांग भी की। ज्ञापन में विश्वविद्यालय में अतिथि विद्वानों की नियुक्तियों को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं एनएसयूआई का आरोप है कि नियुक्तियों में यूजीसी के निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा इसके साथ ही विभागाध्यक्षों की नियुक्तियों और प्रशासनिक एवं वित्तीय निर्णयों में भी निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की गई है। संगठन ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु की कार्यप्रणाली और नियमित अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि प्रशासनिक कार्यों के संचालन में प्रभावी निगरानी का अभाव है तथा शासकीय संसाधनों और यात्रा भत्तों के उपयोग को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। इन सभी मामलों की स्वतंत्र और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की गई है इसके अलावा ज्ञापन में सुरक्षा गार्ड एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन भुगतान में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया गया संगठन का कहना है कि कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो रहा है विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए स्थायी छात्र सहायता केंद्र स्थापित करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई। एनएसयूआई ने कुलपति कार्यालय में पदस्थ अनुभाग अधिकारी मनोज विश्वकर्मा के प्रभाव और प्रशासनिक हस्तक्षेप से संबंधित शिकायतों की भी स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है संगठन का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में लगातार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है समय पर परीक्षा, परिणाम, छात्रवृत्ति और अन्य मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने से हजारों विद्यार्थी परेशान हैं उन्होंने कहा कि यदि शासन और विश्वविद्यालय प्रशासन ने शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए तो एनएसयूआई छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी जिसकी पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन और शासन की होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के साथ अखंड सिंह, उपाध्यक्ष रॉबिंसन साकेत, विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी, विश्वविद्यालय अध्यक्ष विश्ववर्धन सिंह, प्रभारी हर्ष सिंह, टीआरएस कॉलेज अध्यक्ष शक्ति पाठक, प्रभारी अक्षांश चौरसिया, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, आदर्श प्रताप सिंह, हिमांशु सिंह, प्रियांशु मिश्रा, सौरभ मिश्रा सहित बड़ी संख्या में छात्र नेता उपस्थित रहे हालांकि समाचार लिखे जाने तक विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से ज्ञापन में लगाए गए आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी ऐसे में अब छात्रों और शिक्षा जगत की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि उच्च शिक्षा विभाग इन शिकायतों पर क्या निर्णय लेता है और प्रस्तावित जांच किस स्तर पर कराई जाती है।

डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने मैहर में मां शारदा के किए दर्शन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल शनिवार को मैहर पहुंचे जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध मां शारदा शक्तिपीठ में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की दर्शन के बाद वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कटनी के लिए रवाना हो गए। मां शारदा मंदिर पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री का मंदिर प्रबंधन, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया इसके बाद उन्होंने गर्भगृह में पहुंचकर मां शारदा के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना संपन्न की इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों की खुशहाली और मध्यप्रदेश के निरंतर विकास की प्रार्थना क पूजा-अर्चना के उपरांत उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंदिर परिसर में आयोजित हवन में भी आहुति दी धार्मिक अनुष्ठान के दौरान वातावरण भक्तिमय रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे मंदिर परिसर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन द्वारा विशेष इंतजाम किए गए थे दर्शन-पूजन के बाद उप मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से चर्चा भी की उन्होंने स्थानीय स्तर पर चल रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा विकास कार्यों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर संवाद किया। इस अवसर पर मैहर विधायक कांत चतुर्वेदी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा उप मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मां शारदा से प्रदेश की जनता के लिए सुख, समृद्धि और उन्नति की कामना की गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि मध्यप्रदेश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

कांग्रेस समीक्षा बैठक के बाद हंगामा, डॉ. विनोद शर्मा से धक्का-मुक्की; दो कार्यकर्ता आजीवन निष्कासित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला कांग्रेस कार्यालय स्थित जवाहर कांग्रेस भवन में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक के बाद कांग्रेस के विधानसभा प्रभारी डॉ. विनोद शर्मा के साथ कथित धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पार्टी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो कार्यकर्ताओं को आजीवन निष्कासित कर दिया है। जानकारी के अनुसार यह घटना बैठक समाप्त होने के बाद हुई उस समय पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल और जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे आरोप है कि अजय सिंह राहुल के कार्यक्रम स्थल से रवाना होने के बाद कार्यकर्ता विजय सिंह और कमलेन्द्र सिंह ने डॉ. विनोद शर्मा से किसी मुद्दे को लेकर बहस शुरू कर दी देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज और धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। घटना का वीडियो सामने आने पर कांग्रेस संगठन ने अनुशासनहीनता को गंभीरता से लेते हुए विजय सिंह और कमलेन्द्र सिंह को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से आजीवन निष्कासित कर दिया। बताया जा रहा है कि विवाद की पृष्ठभूमि डॉ. विनोद शर्मा की एक पुरानी फेसबुक पोस्ट रही जिसमें उन्होंने लिखा था कि प्रदेश अध्यक्ष सामंतवादी नहीं होना चाहिए पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं ने इस टिप्पणी को वरिष्ठ नेताओं पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी के रूप में लिया जिसके बाद नाराजगी बढ़ गई।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों को तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस अंतर्गत संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ (इंडक्शन) कार्यक्रम के तहत 'मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं नेशनल टास्क फोर्स के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तनाव प्रबंधन के उपाय बताना तथा सकारात्मक एवं संतुलित जीवनशैली के लिए प्रेरित करना था महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम

में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रविन्द्र नाथ सिंह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के समग्र विकास की आधारशिला है उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सफलता, आत्मविश्वास और बेहतर व्यक्तित्व के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि यदि उन्हें कभी मानसिक तनाव, अवसाद या अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं का सामना करना पड़े तो वे उन्हें छिपाने के बजाय समय रहते विशेषज्ञों से सलाह लें उन्होंने बताया कि नेशनल टास्क फोर्स का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों में ऐसा वातावरण तैयार करना है जहां विद्यार्थी स्वयं को सुरक्षित, सहयोगपूर्ण और मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस कर सकें कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय सीधी से आईं विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. ज्योति मिश्रा और डॉ. शुभम शुक्ला ने मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, परीक्षा का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक परिस्थितियां विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं ऐसे में तनाव के शुरुआती लक्षणों की पहचान कर समय पर विशेषज्ञों की सहायता लेना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम, योग, ध्यान, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सामाजिक संबंध बनाए रखने की सलाह दी।

दिग्विजय सिंह की पदयात्रा पर कांग्रेस विधायक का बयान, बोले- 'देश रहने लायक नहीं, युवा विदेश चले जाए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा अयोध्या तक प्रस्तावित पदयात्रा को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है इस बीच रीवा से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है उन्होंने पदयात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब ऐसी यात्राओं से 'कुछ होने-जाने वाला नहीं है विधायक अभय मिश्रा ने कहा 'चाहे पदयात्रा निकालें या कुछ और करें, अब उससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा वह जमाना अब खत्म हो चुका है उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में देश की व्यवस्था को लेकर वे बेहद निराश हैं दिग्विजय सिंह की प्रस्तावित यात्रा को लेकर उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि देश रहने लायक नहीं बचा है युवाओं को पढ़ाई-लिखाई कर विदेश चले जाना चाहिए। विधायक ने आरोप लगाया कि देश में ईडी, सीबीआई और कथित कमीशनखोरी के कारण व्यवस्था कमजोर हुई है और जवाबदेही की कमी बढ़ी है उन्होंने कहा कि पहले पुलिस कार्रवाइयों में पारदर्शिता होती थी लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

भेलकी में नए मिल्क रूट की तैयारी, पशुपालकों को डेयरी समिति गठन के लिए किया प्रेरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और डेयरी व्यवसाय को मजबूत बनाने की दिशा में पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने नई पहल शुरू की है। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में विकासखंड रामपुर नैकिन के ग्रामभेलकी में पशुपालक संगोष्ठी का आयोजन कर ग्रामीणों को दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति के गठन और नए मिल्क रूट विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम में वैज्ञानिक पशुपालन, उन्नत नस्ल संवर्धन और आधुनिक डेयरी प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी गई। संगोष्ठी का नेतृत्व उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभागडॉ. राजेश कुमार सोनी ने किया उन्होंने बताया कि ग्राम भेलकी में दुग्ध उत्पादन की पर्याप्त संभावनाएं हैं यदि यहां संगठित रूप से दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति का गठन किया जाता है तो क्षेत्र के पशुपालकों को दूध विपणन की बेहतर सुविधा मिलेगी और उनकी आय में भी वृद्धि होगी डॉ. सोनी ने कहा कि वर्तमान में कई पशुपालक प्रतिदिन दूध बेचने के लिए शहर तक जाते हैं जिससे उनका समय, श्रम और परिवहन पर अतिरिक्त खर्च होता है यदि गांव में ही डेयरी समिति गठित कर दूध का संग्रहण किया जाए और उसे सांची दुग्ध संघ के माध्यम से विपणन किया जाए तो किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ-साथ समय और संसाधनों की भी बचत होगी बचाए गए समय का उपयोग पशुपालक डेयरी प्रबंधन और पशुओं की देखभाल में कर सकेंगे जिससे दुग्ध उत्पादन में और वृद्धि होगी कार्यक्रम में पशुपालकों को वैज्ञानिक पद्धतियों से पशुपालन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रस्तावित खनन परियोजना पर किसानों से संवाद, वार्षिक सतह मुआवजा ढांचे की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रस्तावित लाइमस्टोन खनन परियोजना के लिए वार्षिक सतह मुआवजा (एनुअल सरफेस कम्पेनसेशन-एएससी) व्यवस्था को लेकर सतना जिले के रामपुर बघेलान क्षेत्र में किसानों, जिला प्रशासन और डालमिया सीमेंट के प्रतिनिधियों के बीच संवादात्मक बैठक आयोजित की गई बैठक का उद्देश्य किसानों को खनन लीज, भूमि स्वामित्व, मुआवजा व्यवस्था और उससे जुड़े वैधानिक प्रावधानों की जानकारी देना तथा उनकी शंकाओं का समाधान करना था बैठक में अधिकारियों ने बताया कि यह संवाद हितधारकों के साथ चल रही परामर्श प्रक्रिया का हिस्सा है इससे पहले भी किसानों के साथ कई दौर की चर्चा हो चुकी है इस बार किसानों को खनन परियोजना के लिए लागू कानूनी प्रावधानों, मुआवजा प्रणाली और उनके अधिकारों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 24ए तथा खनिज रियायत नियम, 2016 के नियम 52 एवं 53 के तहत वार्षिक सतह मुआवजा का प्रावधान किया गया है इस व्यवस्था

का उद्देश्य खनिज विकास को बढ़ावा देना है जबकि भूमि का स्वामित्व संबंधित किसान के पास ही सुरक्षित रहता है।

बैठक में बताया गया कि भूमि की स्थायी खरीद के बजाय इस व्यवस्था में किसान अपनी जमीन के मालिक बने रहते हैं खनन पट्टा अवधि के दौरान भूमि के उपयोग के बदले उन्हें हर वर्ष निर्धारित मुआवजा दिया जाता है। अधिकारियों के अनुसार यह व्यवस्था किसानों के हितों की सुरक्षा और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन स्थापित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है ।

समाधान समारोह-2026' के तहत 21 से 23 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट में विशेष लोक अदालत, समझौते से सुलझेंगे लंबित मामल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों के त्वरित, सरल और सौहार्दपूर्ण निराकरण के उद्देश्य से समाधान समारोह-2026 के तहत 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा इस विशेष पहल के माध्यम से ऐसे मामलों का आपसी सहमति और राजीनामे के आधार पर निपटारा किया जाएगा जिनमें समझौते की संभावना है इस पहल का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ और समयबद्ध बनाना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीधी के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष लोक अदालत सर्वोच्च न्यायालय परिसर, नई दिल्ली में आयोजित होगी इसमें केवल वे प्रकरण शामिल किए जाएंगे जो सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं और जिन्हें इस विशेष लोक अदालत के लिए चयनित किया गया है।

उन्होंने बताया कि लोक अदालत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विवादों का समाधान आपसी सहमति से किया जाता है इससे पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया, अतिरिक्त खर्च और मानसिक तनाव से राहत मिलती है साथ ही समझौते के आधार पर होने वाला निर्णय दोनों पक्षों के लिए अंतिम और स्वीकार्य होता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने ऐसे सभी पक्षकारों से अपील की है जिनके मामले सर्वोच्च न्यायालय में लंबित हैं और जिनमें आपसी समझौते की संभावना है वे इस अवसर का लाभ उठाएं इच्छुक पक्षकार जिला न्यायालय सीधी स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं यहां उन्हें मध्यस्थता प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और लोक अदालत की कार्यवाही से संबंधित सभी जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी अधिकारियों के अनुसार लोक अदालत न्याय व्यवस्था का एक प्रभावी वैकल्पिक मंच है जहां आपसी सहमति के आधार पर विवादों का शांतिपूर्ण समाधान किया जाता है इससे न केवल न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम होती है, बल्कि पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध भी बने रहते हैं यही कारण है कि देशभर में समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर लोक अदालतों का आयोजन किया जाता है। सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने कहा कि यदि पक्षकार समय रहते मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल होकर सहमति बना लेते हैं तो उनका मामला विशेष लोक अदालत में रखा जा सकता है उन्होंने सभी पात्र पक्षकारों से आग्रह किया कि वे इस पहल को न्याय प्राप्ति का एक प्रभावी और सुविधाजनक माध्यम मानते हुए अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ उठाएं कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि 'समाधान समारोह-2026' जैसी पहलें न्यायिक व्यवस्था में लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं ।

सीएचसी चुरहट का औचक निरीक्षण, साफ-सफाई पर सीएमएचओ सख्त, दो दिन में सुधार के निर्देश, अनुपस्थित कर्मचारियों को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक कुमार खरे ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चुरहट का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, कर्मचारियों की उपस्थिति, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का गहन जायजा लिया गया निरीक्षण में कई कमियां सामने आने पर सीएमएचओ ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेन्द्र बिहारी दुबे तथा मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी रामपुर नैकिन भी मौजूद रहे अस्पताल में चिकित्सक डॉ. गौरव पाण्डेय एवं डॉ. अनूप सिंह अपनी ड्यूटी पर उपस्थित मिले, लेकिन अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई इस पर सीएमएचओ ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए पूरे परिसर की साफ-सफाई दो दिनों के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा में सुधार नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति की भी जांच की गई पाया गया कि स्वीकृत तीन लैब टेक्निशियनों में से केवल एक कर्मचारी ही ड्यूटी पर उपस्थित था इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए सीएमएचओ ने अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित उपस्थिति और समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना प्रत्येक कर्मचारी की जिम्मेदारी है। सीएमएचओ ने अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता महिला से बातचीत कर उपचार, दवा, भोजन और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी ली उन्होंने मरीजों से मिलने वाले फीडबैक के आधार पर कर्मचारियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार करने की हिदायत दी साथ ही समय पर ओपीडी संचालन, गुणवत्तापूर्ण उपचार और सेवा भाव से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, पैथोलॉजी, ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, वार्ड, जांच सुविधाएं तथा चिकित्सीय उपकरणों की स्थिति का भी विस्तृत निरीक्षण किया गया इस दौरान साइंस हाउस द्वारा संचालित पैथोलॉजी लैब अपेक्षित स्तर पर संचालित नहीं मिली इस पर सीएमएचओ ने नाराजगी जताते हुए संबंधित सक्षम अधिकारियों को पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डॉ. अशोक कुमार खरे ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही, उदासीनता या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी ।

घटिया निर्माण

संपादकीय

यह ठीक है कि दिल्ली-देहरादून इकोनमिक कारिडोर की सड़क धंसने के मामले को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने गंभीरता से लिया। इससे शर्मनाक और कुछ नहीं हो सकता कि जिस दिल्ली-देहरादून इकोनमिक कारिडोर का उद्घाटन इसी अप्रैल में प्रधानमंत्री ने किया था, उसकी सड़क पहली बरसात में ही धंस गई। यह सड़क इतनी बुरी तरह धंसी कि कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। यह गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह प्रश्न तो उठेगा ही कि आखिर कोई नई बनी सड़क ढाई माह में ही पहली बरसात का सामना क्यों नहीं कर पाई? इस प्रश्न का संभावित उत्तर यही हो सकता है कि या तो सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया या फिर जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई। कारण कुछ भी हो, इस तरह के मामले सड़क निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी की ही कहानी कहते हैं। यह कोई पहला मामला नहीं, जब कोई नई बनी सड़क धंस गई हो। इस तरह की घटनाएं रह-रहकर सामने आती रहती हैं।

कभी नई बनी सड़क धंस जाती है तो कभी नया बना पुल क्षतिग्रस्त हो जाता है। कुछ मामले तो ऐसे भी सामने आए हैं कि कोई पुल उद्घाटन के पहले ही गिर गया। समस्या केवल यही नहीं कि सड़कों और पुलों के निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जाता। समस्या यह भी है कि कई बार उनकी डिजाइन में तमाम खामियां होती हैं, जिसके चलते दुर्घटनाएं होती हैं।

यह ठीक है कि दिल्ली-देहरादून इकोनमिक कारिडोर की सड़क धंसने के मामले को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने गंभीरता से लिया और संबंधित प्रोजेक्ट मैनेजर एवं टीम लीडर को निलंबित करने के साथ कारिडोर का रखरखाव करने वाली कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, लेकिन यदि इस मामले में कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जाती तो आगे भी ऐसे शर्मनाक मामले देखने को मिलेंगे। यह ध्यान रहे कि निलंबन या स्थानांतरण कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। ज्यादातर मामलों में निलंबित अधिकारी कुछ समय बाद या तो बहाल हो जाते हैं या फिर उनका स्थानांतरण कर दिया जाता है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि घटिया निर्माण के लिए जिम्मेदार कंपनियां यदि कभी काली सूची में डाली भी जाती हैं तो कुछ समय बाद वे इस सूची से बाहर आ जाती हैं या फिर नाम बदलकर नए सिरे से सक्रिय हो जाती हैं। यदि सड़कों, पुलों और बुनियादी ढांचे संबंधी अन्य निर्माण की गुणवत्ता में अनदेखी के सिलसिले को रोकना है तो संबंधित अधिकारियों को कठोर दंड का भागीदार बनाना होगा। अपने देश की समस्या यह है कि घटिया निर्माण या फिर सार्वजनिक सुरक्षा उपायों की अनदेखी के चलते होने वाले बड़े से बड़े हादसों के दोषी किसी अधिकारी की नौकरी मुश्किल से ही जाती है, क्योंकि जांच नौकरशाह करते हैं और वे येन-केन-प्रकारेण अपने साथी नौकरशाहों का बचाव ही करते हैं। इसका ही नतीजा है कि घटिया निर्माण का सिलसिला थम नहीं रहा है।

बिहार में कानून-व्यवस्था की बहस और चिराग पासवान की नई राजनीतिक भूमिका

कुमार कृष्णन

बिहार की राजनीति में कई बार विपक्ष से अधिक असहज सवाल सत्ता के भीतर से उठते हैं। यही इस समय हो रहा है। भोजपुर के भरत तिवारी प्रकरण और राजगीर में दो दलित युवकों की हत्या ने कानून-व्यवस्था पर बहस छेड़ी ही थी, लेकिन इस बहस को निर्णायक मोड़ तब मिला जब केंद्र सरकार के मंत्री और एनडीए के प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान स्वयं पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे। भारतीय राजनीति में संवेदना का सबसे बड़ा प्रमाण बयान नहीं, उपस्थिति होती है। घटनास्थल पर पहुंचना केवल औपचारिकता नहीं होता; वह संदेश होता है कि सत्ता जनता की पीड़ा से दूर नहीं है। यही कारण है कि भरत तिवारी के गांव जाकर उनकी मां से मिलना, परिवार को न्याय का भरोसा देना और उसके बाद उसी सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना, जिसका वे स्वयं हिस्सा हैं, सामान्य राजनीतिक घटना नहीं है। चिराग ने भरत तिवारी की मौत को केवल पुलिस कार्रवाई का मामला नहीं माना। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि यदि यह हत्या है, तो लोकतंत्र में इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने लाइन हाजिर किए गए डीएसपी की पोस्टिंग पर भी सवाल उठाए और इसे कार्रवाई से अधिक पुरस्कार जैसा बताया। इसके पहले वे अमित शाह से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दे चुके थे। संदेश स्पष्ट था–जांच ऐसी हो जिस पर जनता को भरोसा हो।

यहीं राजनीति रोचक भी हो जाती है और गंभीर भी।

आमतौर पर गठबंधन सरकारों में सहयोगी दल विवादास्पद मामलों पर संयमित भाषा का प्रयोग करते हैं। लेकिन चिराग पासवान ने संयम और चुप्पी के बीच का अंतर समझाया। उन्होंने सरकार गिराने की बात नहीं की, लेकिन सरकार को आईना जरूर दिखाया। लोकतंत्र में शायद सहयोगी की यही सबसे रचनात्मक भूमिका होती है। इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष उतना ही महत्वपूर्ण है। बिहार की राजनीति में कभी ऐसी परंपरा रही है कि बड़ी घटनाओं के बाद नेता सबसे पहले पीड़ित परिवार तक पहुंचते थे। कर्पूरी ठाकुर, लालू प्रसाद यादव, सुशील कुमार मोदी, रामविलास पासवान, यशवंत सिन्हा और जगन्नाथ मिश्र, जैसे नेता घटनास्थल की राजनीति करते थे, और यह राजनीति नकारात्मक अर्थ में नहीं, बल्कि जनता के बीच उपस्थित रहने की राजनीति थी। इस पूरे घटनाक्रम में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन की सक्रियता का भी उल्लेख आवश्यक है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने स्वयं को ऐसे जनप्रतिनिधि के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है जो किसी भी बड़ी दुर्घटना, हिंसा या प्रशासनिक विवाद के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों के बीच मौजूद रहता है। चाहे सड़क दुर्घटना हो, अपराध की घटना हो या सामाजिक तनाव, उनकी राजनीति का एक प्रमुख पक्ष प्रत्यक्ष उपस्थिति रहा है। यदि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि की पहली जिम्मेदारी जनता के दुख-दर्द में सहभागी होना है, तो यह परंपरा राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सभी दलों के नेताओं के लिए अनुकरणीय होनी चाहिए। इस दृष्टि से चिराग पासवान और पप्पू यादव–दोनों ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि पीड़ित परिवार के दरवाजे तक पहुंचना केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व भी है। अंततः जनता भाषणों से अधिक नेताओं की संवेदनशील उपस्थिति को याद रखती है। आज राजनीति का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया की स्क्रीन पर सिमटता जा रहा है। संवेदना अब कई बार पोस्ट में दिखाई देती है, पहुंचने में नहीं। यही बदलाव लोकतंत्र और जनता के बीच दूरी भी बढ़ाता है। यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि केवल एक नेता के पहुंच जाने से बाकी सभी छोटे हो जाते हैं। लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि ऐसे समय में जो नेता जोखिम उठाकर पीड़ित परिवार तक पहुंचता है, वह राजनीतिक संदेश भी देता है और नैतिक उपस्थिति भी दर्ज कराता है। राजनीति में कई बार प्रतीक ही सबसे बड़ी भाषा बन जाते हैं। सरकार के सामने भी चुनौती कम नहीं है। एक ओर मुख्यमंत्री और सरकार अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का संदेश दे रहे हैं। दूसरी ओर, पुलिस कार्रवाई पर ही सवाल उठ रहे हैं।

संतुलित कूटनीति से उभरता भारत का वैश्विक नेतृत्व

ललित गर्ग

भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित, स्वतंत्र और दूरदर्शी सोच रही है। विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य, महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, क्षेत्रीय संघर्षों और वैश्विक अस्थिरताओं के दौर में भारत ने जिस परिपक्वता और विवेक का परिचय दिया है, उसने उसे विश्व मंच पर एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के निधन के उपरांत उनके अंतिम संस्कार में भारत की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजने का निर्णय भी इसी संतुलित और व्यावहारिक विदेश नीति का परिचायक है। यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, सभ्यतागत एवं रणनीतिक संबंधों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारत की ओर से विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा तथा बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का तेहरान जाना यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल सामरिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के आधार पर भी देखता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके, क्योंकि उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम थे, किंतु भारत की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने यह संदेश अवश्य दिया कि भारत अपने मित्र देशों के सुख-दुःख में सहभागी बनने की परंपरा का निर्वाह करता है।

वास्तव में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की रही है। आज भारत के अमेरिका, रूस, इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोप, जापान और आसियान देशों के साथ मजबूत रणनीतिक एवं आर्थिक संबंध हैं। दूसरी ओर ईरान के साथ भी उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ अत्यधिक निकटता दूसरे पक्ष के साथ संबंधों को प्रभावित कर सकती है। किंतु भारत ने सदैव यह सिद्ध किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करता है। ईरान से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर भारत की प्रतिक्रिया भी अत्यंत संतुलित रही। भारत ने ईरानी दूतावास जाकर शोक संवेदना व्यक्त की, किंतु किसी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय आरोप-प्रत्यारोप में स्वयं को शामिल नहीं किया। भारत ने न तो अमेरिका की आलोचना की और न ही इजरायल के विरुद्ध कोई आक्रामक टिप्पणी की। यह वही कूटनीतिक परिपक्वता है, जिसने भारत को वैश्विक राजनीति में एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति का मूल आधार 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' रहा है। इसी कारण भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा, क्योंकि वह देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक था। साथ ही भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत बनाए रखा। यह संतुलन साधना आसान नहीं था, किंतु भारत ने इसे सफलतापूर्वक निभाया। यही कारण है कि आज भारत को किसी गुट विशेष का सदस्य नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वैशिक शक्ति के रूप में देखा जाता है। भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई, साहित्यिक और व्यापारिक संबंधों का समृद्ध इतिहास रहा है। फारसी भाषा और संस्कृति का भारतीय सभ्यता पर गहरा प्रभाव रहा है। मुगल काल से लेकर आधुनिक युग तक दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान निरंतर चलता रहा है। आर्थिक दृष्टि से भी ईरान भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भारत लंबे समय तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति ईरान से करता रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत को कुछ समय के लिए ईरान से तेल आयात रोकना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद दोनों देशों के संबंधों में कोई स्थायी कटुता नहीं आई।

चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत और ईरान के रणनीतिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है। यह परियोजना भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करती है तथा पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार के नए अवसर उपलब्ध कराती है। ऐसे समय में जब चीन 'बेल्ट एंड रोड' परियोजना के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है, चाबहार भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग विकसित किया है। इजरायल के साथ कृषि, रक्षा और नवाचार के क्षेत्र में नई साझेदारियां स्थापित हुई हैं। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भारत के आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। रूस के साथ परंपरागत मित्रता को भी भारत ने मजबूती प्रदान की है। यही नहीं, यूरोप, अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ भी भारत ने अपने संबंधों को नई दिशा दी है।

जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस कुशलता और नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया, उसने विश्व समुदाय को प्रभावित किया। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के साथ भारत ने वैश्विक दक्षिण की आवाज को मुखर किया। अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत की भूमिका ऐतिहासिक रही। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत केवल अपने हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकासशील देशों की आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसकी पड़ोसी नीति भी है। भारत ने सदैव 'पड़ोसी प्रथम' की नीति को अपनाया है। अफगानिस्तान में तालिबान शासन आने के बाद भी भारत ने वहां की जनता को मानवीय सहायता उपलब्ध कराई। भारत ने अनाज, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री भेजकर यह संदेश दिया कि उसका संबंध केवल सरकारों से नहीं, बल्कि वहां की जनता से भी है। कोविड-19 महामारी के दौरान 'वैक्सीन मैत्री' अभियान के माध्यम से भारत ने अनेक देशों को टीके उपलब्ध कराए। लंका जब आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने उसे खाद्यान्न, ईंधन, दवाइयां और आर्थिक सहायता प्रदान की। नेपाल, भूटान, मालदीव और बांग्लादेश को भी भारत ने समय-समय पर हरसंभव सहयोग दिया है। यही कारण है कि भारत आज क्षेत्रीय स्थिरता और विकास का प्रमुख आधार बनकर उभरा है।

इसके विपरीत, पाकिस्तान लंबे समय से भारत विरोधी दुष्प्रचार और षड्यंत्रों की नीति अपनाता रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनावों तथा हिंसक घटनाओं के लिए भी पाकिस्तान समय-समय पर भारत को दोषी ठहराने का प्रयास करता रहा है। यह उसकी पुरानी रणनीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से वह अपने आंतरिक संकटों और असफलताओं से ध्यान हटाना चाहता है। वास्तविकता यह है कि भारत ने सदैव क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास का समर्थन किया है। भारत ने कभी भी किसी पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की नीति नहीं अपनाई। इसके विपरीत, उसने मानवीय सहायता, विकास परियोजनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। पाकिस्तान के निराधार आरोपों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय भारत को एक जिम्मेदार और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में देखता है। आतंकवाद के विरुद्ध भारत की स्पष्ट नीति और शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता ने उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। यही कारण है कि आज विश्व के अधिकांश देश भारत को स्थिरता, विकास और सहयोग के एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।

लोककला से लोकसमृद्धि तक:

बिहार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नई कहानी

-डॉ. मीना कुमारी

बिहार की पहचान केवल नालंदा, वैशाली और बोधगया तक सीमित नहीं है। यह राज्य अपनी जीवंत लोक कलाओं, लोकगीतों और पारंपरिक शिल्प के कारण भी विश्व पटल पर विशिष्ट स्थान रखता है। मधुबनी चित्रकला, मंजूषा कला, सिक्की शिल्प, सुजनी कढ़ाई, बिदेसिया और जट-जटिन जैसी विधाएं बिहार की सांस्कृतिक आत्मा हैं। किंतु लंबे समय तक इन कलाओं के सृजक कलाकार सम्मान से अधिक संघर्ष का जीवन जीते रहे। उनके सामने बाजार का अभाव, पूंजी की कमी, तकनीकी पिछड़ापन और संस्थागत समर्थन का संकट था।

पिछले कुछ वर्षों में यह परिदृश्य बदलने लगा है। केंद्र की 'विरासत से विकास' की नीति और बिहार सरकार के सांस्कृतिक संरक्षण एवं कौशल संवर्धन के प्रयासों ने लोक कलाकारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय आधार तैयार किया है। आज पहली बार लोककला को केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं बल्कि क्रिएटिव इकोनॉमी यानी रचनात्मक अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है। इसी सोच के अनुरूप भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने 'क्रिएटिव इकोनॉमी' के लिए अलग नीति आधारित पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक उद्योगों को रोजगार, नवाचार और वैश्विक बाजार से जोड़ना है।

इस परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना है। परंपरागत कारीगरों और शिल्पकारों को पहचान, कौशल उन्नयन, आधुनिक औजार, आसान ऋण, डिजिटल भुगतान और विपणन सहायता देने वाली यह योजना पहली बार शिल्पकार को केवल लाभार्थी नहीं बल्कि उद्यमी के रूप में स्थापित करती है। बिहार में इसके परिणाम उल्लेखनीय रहे हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार राज्य में 1.62 लाख से अधिक पारंपरिक कारीगर पंजीकृत हुए, 1.05 लाख से अधिक को प्रशिक्षण मिला, लगभग 19 हजार लाभार्थियों को 160 करोड़ रुपये से अधिक का रियायती ऋण मिला तथा हजारों आधुनिक टूल किट वितरित किए गए। लाभार्थियों में बड़ी संख्या अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और महिलाओं की है।

यह परिवर्तन केवल एक योजना का परिणाम नहीं है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) जैसी पहल ने जिलों की विशिष्ट कला और उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान देने का नया अवसर दिया है। बिहार के हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पाद अब स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रह गए हैं बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार से जोड़ने की रणनीति विकसित की जा रही है।

बिहार सरकार ने भी इस दिशा में समानांतर प्रयास किए हैं। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा आयोजित बिहार दिवस, राज्य स्तरीय लोक महोत्सव, जिला स्तरीय सांस्कृतिक आयोजन, कलाकार सम्मान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने लोक कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया है। पटना का बिहार संग्रहालय तथा विभिन्न सांस्कृतिक संस्थान राज्य की लोक परंपराओं को नई पीढ़ी और पर्यटकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार संरक्षण की पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर संस्कृति को विकास के संसाधन के रूप में देख रही है।

मधुबनी चित्रकला इसका सबसे प्रेरक उदाहरण है। जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) टैग मिलने के बाद इस कला की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है। मिथिलांचल की हजारों महिला कलाकार आज स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से देश-विदेश के बाजारों तक पहुंच रही हैं। यह केवल कला का विस्तार नहीं बल्कि महिला उद्यमिता और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का भी सशक्त मॉडल है। आज विश्व स्तर पर भी यही दृष्टिकोण विकसित हो रहा है। रचनात्मक उद्योगों को रोजगार, समावेशी विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। भारत ने भी जी-20 के बाद संस्कृति को विकास की केंद्रीय धुरी के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस पहल की है।

निःस्संदेह, चुनौतियाँ अभी भी हैं। सभी कलाकारों का डिजिटल डेटाबेस तैयार होना बाकी है। विपणन क्षमता को और मजबूत करना होगा। डिज़ाइन नवाचार, निर्यात, ई-कॉमर्स, पर्यटन और बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में अभी व्यापक संभावनाएँ हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि आज नीति की दिशा पहले की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट और दूरदर्शी दिखाई देती है। आगे की रणनीति भी स्पष्ट होनी चाहिए- लोक कलाकारों का राज्यव्यापी डिजिटल रजिस्टर, सांस्कृतिक पर्यटन सर्किट, विश्वविद्यालयों में लोककला अध्ययन, ई-कॉमर्स आधारित विपणन, निर्यात प्रोत्साहन और युवाओं के लिए कौशल कार्यक्रम। यदि इन पहलों को वर्तमान योजनाओं के साथ जोड़ा जाए तो बिहार की लोक कलाएं लाखों परिवारों की आय का स्थायी आधार बन सकती हैं।

बिहार के विकास की कहानी केवल आर्थिक सूचकांकों से नहीं लिखी जाएगी। वह उस दिन पूर्ण होगी, जब मधुबनी की चित्ररेखाएँ, मंजूषा की कथाएँ, सिक्की की बुनावट और लोक गायकों की स्वर परंपरा राज्य के ग्रामीण परिवारों की समृद्धि का माध्यम बनेंगी। केंद्र और राज्य सरकार ने इस दिशा में मजबूत नींव रखी है। अब आवश्यकता है कि नीति, समाज और बाजार मिलकर इस सांस्कृतिक पूंजी को आर्थिक शक्ति में बदले। बिहार की लोक कलाओं का भविष्य आज पहले से कहीं अधिक आश्वस्त दिखाई देता है। यदि यही गति और यही प्रतिबद्धता बनी रही तो आने वाले वर्षों में बिहार केवल अपनी विरासत को संरक्षित करने वाला राज्य नहीं रहेगा बल्कि लोककला आधारित समावेशी विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरेगा।

केटीयू में बनेगा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस', जनसंचार शिक्षा और शोध को मिलेगा नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (केटीयू) में जनसंचार शिक्षा, शोध और नवाचार को नई दिशा देने के उद्देश्य से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा इस महत्वाकां पहल के तहत हरियाणा के हिसार स्थित गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक और शोध सहयोग को लेकर सहमति बनी है दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से जनसंचार शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, आधुनिक तकनीक को पाठ्यक्रम से जोड़ने तथा शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य करेंगे इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए केटीयू के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने हाल ही में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दौरा किया वहां उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई के साथ विस्तृत चर्चा कर भविष्य की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया बैठक में जनसंचार शिक्षा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुरूप विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया बैठक के दौरान यह तय किया गया कि कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना की जाएगी यह केंद्र शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का प्रमुख मंच बनेगा जहां छात्रों और शोधार्थियों को आधुनिक मीडिया तकनीकों, डिजिटल पत्रकारिता, डेटा आधारित शोध और संचार के उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस सेंटर का उद्देश्य केवल पारंपरिक पत्रकारिता शिक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि छात्रों को बदलते मीडिया परिदृश्य के अनुरूप तैयार करना भी होगा इसके माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल मीडिया, मल्टीमीडिया प्रोडक्शन, मीडिया रिसर्च और संचार तकनीकों जैसे आधुनिक विषयों पर विशेष फोकस किया जाएगा ताकि विद्यार्थी उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बन सकें।

कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनसंचार शिक्षा के क्षेत्र में एक नया रोडमैप तैयार करना है इसमें अकादमिक गुणवत्ता में सुधार, शोध को बढ़ावा, नवाचार को प्रोत्साहन तथा रणनीतिक विकास को प्राथमिकता दी जाएगी उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया उद्योग तेजी से बदल रहा है इसलिए विश्वविद्यालयों को भी आधुनिक तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के अनुरूप अपनी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी। दोनों विश्वविद्यालयों के बीच हुए इस सहयोग के तहत संयुक्त शोध परियोजनाएं संचालित की जाएंगी साथ ही शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम भी शुरू किए जाएंगे, जिससे दोनों संस्थानों के छात्र और शिक्षक एक-दूसरे के अनुभवों और संसाधनों का लाभ उठा सकेंगे इससे शोध की गुणवत्ता बढ़ने के साथ-साथ विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर सीखने और काम करने के नए अवसर भी मिलेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सहयोग जनसंचार शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना से केटीयू में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आधुनिक मीडिया तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण शोध और उद्योग से जुड़े व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होंगे इससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक पहचान और मजबूत होगी तथा छत्तीसगढ़ में जनसंचार शिक्षा को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

नकली मंगलसूत्र मामले में कांग्रेस का सरकार पर हमला, जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी की पुष्टि का दावा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत कथित रूप से नकली मंगलसूत्र बांटे जाने के मामले में जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है कांग्रेस ने दावा किया है कि जांच में शिकायत सही पाई गई है और इसमें प्रशासनिक व वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि हुई है कांग्रेस नेताओं के अनुसार, जिला कलेक्टर द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट में योजना के क्रियान्वयन में कई गंभीर खामियां सामने आई हैं। पार्टी ने इस मामले में जिम्मेदार जिला कार्यक्रम अधिकारी के खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह मामला 10 फरवरी 2026 को खड़गवां विकासखंड के चनवारीडांड में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ा है जिसमें 184 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ था। इस कार्यक्रम में नवविवाहित महिलाओं को वितरित किए गए मंगलसूत्र की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे थे कांग्रेस का आरोप है कि योजना के तहत लाभार्थियों को चांदी का मंगलसूत्र दिए जाने का प्रावधान था लेकिन उन्हें घटिया गुणवत्ता वाले आभूषण वितरित किए गए जांच रिपोर्ट में भी खरीद प्रक्रिया में अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जिला स्तरीय क्रय समिति की सिफारिशों को नजरअंदाज कर सीमित निविदा प्रक्रिया के माध्यम से सामग्री खरीदी गसाथ ही कोटेशन लेने, सामग्री की गुणवत्ता जांच और भुगतान प्रक्रिया में भी गंभीर लापरवाही सामने आई है सौरव मिश्रा ने कहा कि यह मामला गरीब बेटियों के सम्मान और सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने मांग की कि दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए।

शिवपुरी में बनेगी 2500 करोड़ की डिफेंस फैक्ट्री, 2 हजार से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के कोलारस क्षेत्र स्थित पाली गांव में प्रदेश का एक बड़ा औद्योगिक निवेश आकार लेने जा रहा है यहां अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा करीब 2500 करोड़ रुपए की लागत से अत्याधुनिक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की जाएगी इस परियोजना का भूमिपूजन 5 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया जाएगा। करीब 103 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित इस डिफेंस फैक्ट्री से 2 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है साथ ही परिवहन, लॉजिस्टिक्स, होटल, व्यापार और अन्य सहायक सेवाओं के माध्यम से हजारों लोगों के लिए अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे इससे शिवपुरी और आसपास के क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है। अब तक खेती-किसानी के लिए पहचाने जाने वाले पाली गांव की पहचान इस परियोजना के बाद औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित होने की संभावना है ग्रामीणों का मानना है कि फैक्ट्री शुरू होने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए गुजरात, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इस परियोजना के लिए पाली गांव का चयन उसकी रणनीतिक स्थिति को देखते हुए किया गया है प्रस्तावित यूनिट राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के निकट स्थित है जिससे राजस्थान और गुजरात तक सीधा संपर्क मिलता है इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के माध्यम से भोपाल सहित प्रदेश के अन्य हिस्सों तक बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध है ।

नेशनल हाईवे-46 पर तीन बार पलटी कार,शवपुरी में कट लगने पर बेकाबू हुआ वाहन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के कठमई इलाके में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई यह हादसा दो से तीन बार गुलाटी खाते हुए हुआ जिसका सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, एक कार को ओवरटेक करते समय दूसरी कार ने कट मार दिया अचानक कट लगने से चालक अपनी कार पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सड़क पर कई बार पलट गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई घायलों को तुरंत कार से बाहर निकालकर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। हालांकि कार में कितने लोग सवार थे और उनकी पहचान क्या है इस बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है पुलिस के अनुसार इस मामले में अब तक किसी भी पक्ष ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है इस हादसे का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

नर्मदापुरम में तवा नदी का पुल 4 घंटे बंद रहेगा :अचानक रोका ट्रैफिक, लोगों को 30 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर तवा नदी पर बने 44 साल पुराने पुल को शनिवार दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक बंद रखा गया पुल के 54वें पिलर की बैरिंग बदलने के लिए चार घंटे तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही रोक दी गई इस दौरान हाईवे का ट्रैफिक पूरी तरह डायवर्ट किया गया। ट्रैफिक बंद होने की सूचना जनसंपर्क विभाग ने शनिवार दोपहर 1:38 बजे जारी की। करीब 20 मिनट बाद ही पुल पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई अचानक ट्रैफिक बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा कई लोगों को नर्मदापुरम लौटकर बांद्राभान, सांगाखेड़ा कला और माखननगर रोड से होकर जाना पड़ा इससे उन्हें करीब 30 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना पड़ा

पुल पर चल रहा है मरम्मत का काम: मध्य प्रदेश सड़क विकास संभाग के तहत नर्मदापुरम-पिपरिया मार्ग पर स्थित तवा पुल पर मरम्मत का काम चल रहा है पुल के तीन पिलरों के स्पान में दरार आने के कारण पिछले करीब 20 दिनों से भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगी हुई है। एमपीआरडीसी के एजीएम प्रवीण निमजे ने बताया कि पिलर को मजबूत करने के लिए शनिवार को बैरिंग बदली गई। इसी वजह से दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन बंद रखा गया।

इन मार्गों से किया गया ट्रैफिक डायवर्ट: पिपरिया/जबलपुर से भोपाल/इंदौर जाने वाले भारी वाहनों को पिपरिया-सांडिया-बरेली मार्ग से भेजा गया। सोहागपुर/माखननगर से भोपाल/इंदौर जाने वाले भारी वाहनों को माखननगर-आरी-सांगाखेड़ा-बांद्राभान-नर्मदापुरम मार्ग से डायवर्ट किया गया। माखननगर से इटारसी/बैतूल जाने वाले भारी वाहनों को माखननगर-आरी-सांगाखेड़ा-बांद्राभान मार्ग से भेजा गया इटारसी/बैतूल से माखननगर/पिपरिया जाने वाले भारी वाहनों को इटारसी-मंडी दोखेड़ा-बांद्राभान-सांगाखेड़ा-आरी मार्ग से निकाला गया।

सीमांकन विवाद में पिता-पुत्र पर लाठी से हमला, चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के भौंती थाना क्षेत्र के इमलिया गांव में जमीन के सीमांकन और मकान विवाद को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया आरोप है कि चार लोगों ने पिता-पुत्र पर लाठियों से हमला कर उन्हें घायल कर दिया पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार इमलिया गांव निवासी 53 वर्षीय अमर सिंह लोधी ने भौंती थाने में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि शुक्रवार रात करीब 8 बजे वह अपने घर के बाहर बैठे थे इसी दौरान गांव के भरत लोधी, रामकुमार लोधी, रानी लोधी और पर्वत लोधी वहां पहुंचे और जमीन के सीमांकन को लेकर विवाद करते हुए गाली-गलौज करने लगे। शिकायत के मुताबिक, विरोध करने पर रामकुमार लोधी और रानी लोधी ने लाठियों से अमर सिंह पर हमला कर दिया मारपीट में उनके सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर उनका बेटा राजीव कुमार पिता को बचाने पहुंचा लेकिन आरोप है ।

पंचायत सचिव पर अवैध उत्खनन का मामला, 1.05 लाख का जुर्माना; कार्रवाई की फाइल 40 दिनों से लंबित

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के सोहागपुर क्षेत्र के रैनीपानी के पास स्थित पापड़पानी गांव में तालाब से अवैध मिट्टी उत्खनन के मामले में खनिज विभाग ने ग्राम पंचायत मंगरिया के सचिव भगवानदास रघुवंशी के खिलाफ कार्रवाई की है विभाग ने अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज कर 1.05 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है वहीं विभागीय कार्रवाई के लिए भेजी गई फाइल पिछले 40 दिनों से जिला पंचायत में लंबित होने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मंगरिया अंतर्गत मंगरिया मुख्य मार्ग से पापड़पानी गांव तक लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क के शोल्डर भरने के लिए तालाब से बिना अनुमति मिट्टी निकाली गई थी जिस मार्ग पर मिट्टी डाली गई वह एक निर्माणाधीन निजी रिसॉर्ट की ओर जाता है आरोप है कि तालाब से जेसीबी मशीन के माध्यम से मिट्टी का उत्खनन बिना सक्षम अनुमति के कराया गया। मामला सामने आने के बाद तत्कालीन सोहागपुर एसडीएम प्रियंका भल्लावी ने 27 मई को जांच के निर्देश दिए। नायब तहसीलदार और खनिज निरीक्षक कृष्णकांत परस्ते ने मौके पर पहुंचकर जांच की तथा उत्खनन की नाप-जोख कराई जांच के दौरान उपयोग में लाई गई जेसीबी मशीन को जब्त कर सोहागपुर थाने में खड़ा कराया गया जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने बताया कि जांच में अवैध उत्खनन की पुष्टि होने पर ग्राम पंचायत सचिव भगवानदास रघुवंशी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया अपर कलेक्टर न्यायालय द्वारा 1.05 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है नियमानुसार जुर्माना जमा होने के बाद ही जब्त जेसीबी मशीन को छोड़ा जाएगा। दूसरी ओर तत्कालीन एसडीएम द्वारा पंचायत सचिव के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई का प्रस्ताव जिला पंचायत को भेजा गया था लेकिन करीब 40 दिन बीत जाने के बावजूद संबंधित फाइल पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सूत्रों के अनुसार अभी तक सचिव को विभागीय कार्रवाई के संबंध में नोटिस भी जारी नहीं किया गया है अधिकारी फिलहाल मामले को 'कार्रवाई प्रचलन में है बताकर जवाब दे रहे हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध उत्खनन से तालाब की संरचना प्रभावित हुई है और सरकारी भूमि के उपयोग को लेकर भी सवाल खड़े हुए है।

तूता गांव के 35 मकानों को एनआरडीए का नोटिस, 6 जुलाई तक मांगा जवाब फिलहाल कार्रवाई नहीं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर से लगे तूता गांव में जमीन संबंधी विवाद को लेकर नवा रायपुर-अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) ने 35 मकानों पर नोटिस जारी किए हैं नोटिस में संबंधित परिवारों से 6 जुलाई तक अपना पक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया है नोटिस मिलने के बाद ग्रामीणों में अपने मकानों को लेकर चिंता और असमंजस का माहौल बन गया है हालांकि एनआरडीए ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल किसी प्रकार की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रस्तावित नहीं है और आगे का निर्णय सुनवाई के बाद ही लिया जाएगा एनआरडीए द्वारा जारी नोटिस के अनुसार संबंधित मकान प्राधिकरण की भूमि पर बने होने की बात कही गई है प्रभावित परिवारों को नियमानुसार अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है नोटिस में उल्लेख है कि निर्धारित समय सीमा तक जवाब प्राप्त नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सकती है। नोटिस के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई उनका कहना है कि वे पिछले 25 से 50 वर्षों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं और कई परिवारों की पीढ़ियां यहीं बसी हुई हैं।

नर्मदापुरम से स्थायी रूप से हटी स्विमिंग अकादमी, अब उज्जैन में मिलेगा प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के तैराकी खिलाड़ियों के लिए निराशाजनक खबर सामने आई है वर्ष 2016 में नर्मदापुरम को मिली मध्यप्रदेश एक्वाटिक एवं ट्रायथलॉन (स्विमिंग) अकादमी अब स्थायी रूप से जिले से हटा दी गई है खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने अकादमी को उज्जैन स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है इसके बाद अब नर्मदापुरम के खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय तैराकी प्रशिक्षण के लिए उज्जैन का रुख करना होगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अपर सचिव अजय वास्तव द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश के अनुसार लंबे समय से बंद पड़ी इस अकादमी का संचालन अब उज्जैन में किया जाएगा इससे स्पष्ट हो गया है कि भविष्य में नर्मदापुरम में इस अकादमी को दोबारा शुरू नहीं किया जाएगा। नर्मदापुरम में यह अकादमी वर्ष 2016 में स्वीकृत हुई थी हरदा बायपास स्थित नर्मदा एजुकेशन सोसायटी परिसर (डॉल्फिन स्विमिंग सेंटर) में इसकी स्थापना की गई थी शुरुआती वर्षों में यहां जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के कई युवा खिलाड़ियों ने तैराकी का प्रशिक्षण लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा भी लिया अकादमी ने कई उभरते तैराकों को आगे बढ़ने का अवसर दिया हालांकि कोरोना महामारी के बाद अकादमी का संचालन पूरी तरह बंद हो गया लंबे समय तक इसके दोबारा शुरू होने की उम्मीद बनी रही।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में आहरण एवं संवितरण अधिकारियों का दो दिवसीय सेमिनार सम्पन्न, वित्तीय पारदर्शिता पर रहा फोकस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा वित्तीय प्रशासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं दक्ष बनाने के उद्देश्य से पुलिस अकादमी, भोपाल में प्रदेश की विभिन्न पुलिस इकाइयों से आए उप पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया सेमिनार का उद्देश्य अधिकारियों को वित्तीय नियमों, लेखा प्रक्रियाओं, कल्याणकारी योजनाओं एवं आधुनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणालियों की अद्यतन जानकारी प्रदान कर उनके प्रशासनिक एवं वित्तीय दायित्वों को और अधिक प्रभावी बनाना

था सेमिनार के समापन अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कल्याण) सोलोमन यश कुमार मिंज उपस्थित रहे उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व किसी भी शासकीय संस्था की कार्यकुशलता के मूल आधार हैं उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने-अपने कार्यक्षेत्र में करते हुए वित्तीय प्रक्रियाओं को अधिक सुचारु, नियमसम्मत एवं पारदर्शी बनाएं उद्घाटन सत्र में उप पुलिस महानिरीक्षक (लेखा एवं कल्याण), पुलिस मुख्यालय भोपाल अवधेश गोस्वामी ने प्रतिभागियों को आहरण एवं संवितरण अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया उन्होंने वित्तीय प्रबंधन में अद्यतन नियमों की जानकारी को नियमित रूप से अद्यतन रखने पर बल दिया। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इनमें आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के कार्य एवं दायित्व, मध्यप्रदेश भंडार क्रय एवं उपार्जन नियम-2015 (संशोधित 2022), वित्तीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, पुलिस विभाग की कल्याणकारी गतिविधियां,आईएफएमआईएस प्रणाली, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, पेंशन नियम, दंडों का प्रभावी क्रियान्वयन, देय स्वत्व, टीए/डीए, अवकाश नियम, जीपीएफ कार्यवाहियां, मध्यप्रदेश वित्तीय शक्ति अधिकार पुस्तिका-2025 तथा बजट प्रबंधन जैसे विषय शामिल रहे। प्रशिक्षण सत्रों में पुलिस मुख्यालय, वित्त विभाग तथा आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय के विशेषज्ञ अधिकारियों ने प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी तथा उनकी शंकाओं का समाधान भी किया।

सागर में शराब को लेकर विवाद, फायरिंग में एक घायल शराब ठेकेदार पर लाठी-डंडों से मारपीट कराने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के ग्राम गुंजौरा पतरुआ टोला पर शराब के विवाद को लेकर शनिवार को मारपीट हुई। इस दौरान फायरिंग की गई। फायरिंग में एक व्यक्ति घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के दौरान हुई मारपीट के वीडियो सामने आए हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की है। भरत अहिरवार निवासी गुंजौरा पतरुआ टोला ने आरोप लगाते हुए कहा कि शराब ठेकेदार जितेंद्र खटीक अपने साथियों के साथ गांव आए थे। वे दुकान पर आए और शराब बेचने के लिए कहने लगे। शराब बेचने से मना किया तो उनके साथ आए लोगों ने गालीगलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। इसी दौरान फायरिंग की गई। एक गोली मेरे चाचा के पेट को छूते हुए निकल गई। मारपीट और गोली लगने से चाचा घायल हुए। वीडियो में घायल और अफरा-तफरी का माहौल विवाद के कुछ वीडियो सामने आए है। जिसमें मारपीट में घायल लोग नजर आ रहे हैं। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। सड़क पर दो कार खड़ी हैं। उनके आसपास युवक मौजूद हैं। गालीगलौज और विवाद की स्थिति निर्मित है, जिसे रोकने के लिए महिलाएं आगे आई। हालांकि उक्त वीडियो की पुलिस जांच कर रही है।

मामले की जांच कर रहे: गढ़ाकोटा थाना प्रभारी शुभम दुबे ने बताया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो का भी परीक्षण कराया जा रहा है।

सीहोर में डेढ़ इंच औसत बारिश से नदी-नाले उफान पर आष्टा में सबसे ज्यादा 2.05 इंच वर्षा जिले का औसत पहुंचा 10.63 इंच

,एजेंसीमीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। । सीहोर जिले में शनिवार को मानसून की अच्छी दस्तक हुई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जिले में औसतन 1.50 इंच (लगभग डेढ़ इंच) बारिश दर्ज की गई। इस वर्षा के बाद नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। बारिश में आष्टा क्षेत्र सबसे आगे रहा, जहां सर्वाधिक 2.05 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई। जावर में 1.89 इंच और इछावर क्षेत्र में 1.77 इंच बारिश दर्ज हुई। सीहोर शहर और आसपास के इलाकों में 1.69 इंच वर्षा हुई। बुधनी के नर्मदा तटीय क्षेत्र में 1.57 इंच, रेहटी में 1.52 इंच और भैरूंदा क्षेत्र में 1.10 इंच बारिश दर्ज की गई। श्यामपुर में सबसे कम 0.83 इंच वर्षा हुई। आज की बारिश को मिलाकर, 1 जून से अब तक जिले में कुल औसत वर्षा 10.63 इंच तक पहुंच गई है। आष्टा कुल 15.47 इंच के साथ जिले में सर्वाधिक वर्षा वाला क्षेत्र बना हुआ है। अन्य क्षेत्रों में भैरूंदा में कुल 14.01 इंच, इछावर में 12.40 इंच, जावर में 11.68 इंच, सीहोर में 9.01 इंच, रेहटी में 8.55 इंच, बुधनी में 8.38 इंच और श्यामपुर में 5.54 इंच बारिश हुई है। पिछले वर्ष 4 जुलाई तक जिले में केवल 0.05 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी, जो इस वर्ष की तुलना में काफी कम थी।

खरगोन में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर भगवानपुरा में 3 इंच, जिले में अब तक औसत 1 इंच ज्यादा बारिश

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में शनिवार को अति भारी बारिश के अलर्ट के बीच पहाड़ी क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। इसके चलते नदी-नाले उफान पर आ गए। कुंदा और वेदा नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। कई खेतों और रास्तों में पानी भर गया है। शनिवार को भगवानपुरा में 3 इंच और गोगावां में 2 इंच बारिश दर्ज की गई। पिछले साल से ज्यादा हुई बारिश भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, जिले में इस साल अब तक 7.3 इंच बारिश हो चुकी है। पिछले साल इसी अवधि तक 6.3 इंच बारिश दर्ज हुई थी। यानी इस बार अब तक 1 इंच अधिक बारिश हुई है। जिले की औसत वार्षिक बारिश 32.6 इंच है।

टीबी की बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए आमजन में जागरूकता लाना जरूरी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि टीबी की बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए आमजन में जागरूकता लाना बहुत जरूरी है। इसके लिए ग्राम पंचायतों के सरपंच महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकते हैं। टीबी रोग किन कारणों से होता है और इनसे कैसे बचाव करें? यह जानकारी लोगों तक पहुंचना जरूरी है। टीबी रोग के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता रहेगी, तो पंचायत स्वतः टीबी रोग मुक्त हो जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि टीबी का समय पर पता चल जाये और इसका पूरा उपचार हो जाए तो, यह पूरी तरह से रोकथाम और उपचार योग्य रोग है। टीबी को छुपाएं नहीं और न कोई भी व्यक्ति इसे बताने में संकोच न करे। सरकार इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए निःशुल्क सुविधा प्रदान करती है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अब 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को टीबी की वैक्सीन लगायी जा रही है।

8 महीने में युवक को 4 बार सांप ने डसा

सागर में तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन समय पर इलाज मिलने से बची जान

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के बंडा में 18 वर्षीय युवक को बार-बार सांप डस रहा है। परिजन का दावा है कि पिछले 8 महीनों में 4 बार सांप युवक को डस चुका है। लेकिन खास बात यह भी है कि चारों बार उसकी जान बच गई। इसके पीछे कारण है कि परिवार के लोग झाड़-फूंक में नहीं फंसे और मरीज को सीधे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार, नमन पिता नारायण चौबे निवासी धुरमार कक्षा 12वीं की पढ़ाई कर रहा है। मंगलवार रात उसे घर में सांप ने डस लिया। कुछ समय बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। बुखार आने पर परिवार के लोग बंडा अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां भर्ती कराकर इलाज कराया। बंडा में हालत में सुधार नहीं होने पर जिला अस्पताल रैफर किया गया। अस्पताल में नमन का इलाज चल रहा है। पीड़ित के चाचा प्रभुदयाल चौबे ने बताया कि भतीजे नमन को करीब 8 महीने में चार बार सांप डस चुका है। बार-बार सांप के डसने के कारण पूरा परिवार दहशत में है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है किसी को नहीं पता। उन्होंने कहा कि सांप के डसने के बाद तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे तो चारों बार नमन की जान बच गई।

पहली बार नवंबर 2025 में सांप ने डसा था: पहली बार नवंबर 2025 में नमन को सांप ने डसा था। इलाज के बाद वह ठीक हो गया। इसके कुछ दिन बाद दिसंबर माह में दोबारा उसे सांप ने डसा। परिवार के लोग उसे अस्पताल लेकर पहुंचे और इलाज कराया।तीसरी बार जनवरी माह में और अब चौथी बार युवक को सांप ने डसा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सांप के डसने के बाद झाड़-फूंक व अंधविश्वास में न पड़े। अस्पताल पहुंचकर समय पर मरीज का इलाज कराएं। ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

देवास में स्कूटर से होती थी अवैध शराब की सप्लाई आबकारी विभाग ने 7 पेटी देशी शराब जब्त की, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर,देवास (निप्र)। देवास के रेवाबाग क्षेत्र में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। विभाग ने 7 पेटी देशी शराब जब्त की, जिसकी कीमत लगभग 33,400 रुपए आंकी गई है। बताया जा रहा है कि आरोपी स्कूटर से शहर की गलियों में शराब की सप्लाई करता था। कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है आबकारी विभाग ने शुक्रवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर रेवाबाग क्षेत्र में दबिश दी। दबिश के दौरान मौके से 4 पेटी देशी मसाला और 3 पेटी देशी प्लेन शराब बरामद की गई। कुल 63 बल्क लीटर मदिरा जब्त की गई। जानकारी के अनुसार, आरोपी अपने घर के पास शराब छिपाकर रखता था और स्कूटर का उपयोग कर शहर की गलियों में इसकी सप्लाई करता था। आबकारी टीम के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा। इस मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बिजली कंपनी द्वारा शिविर लगाकर किया गया बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

महाप्रबंधक मती पूनम तुमराम ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। अभियान के अंतर्गत सीहोर संभाग के ग्राम ग्राम लसूड़िया खास, हीरापुर में शिविर लगाया गया और बिजली संबंधी शिकायतों का निराकरण किया गया।

04 एवं 06 जुलाई को इन स्थानों पर लगेंगे शिविर अभियान के अंतर्गत 04 जुलाई को सीहोर संभाग अंतर्गत ग्राम दुर्गपुरा, कोड़ियाछीतु, कल्यानपुरा, जमुनिया फतेहपुर, रायपुरा नयाखेड़ा, नरसिंहखेड़ा, अलीपुर, सीहोर शहर के वार्ड नं. 28, वार्ड नं. 14 में शिविर लगाए जाएंगे।

मोबाइल गड़बड़ी और ऐप बदलने से लाखों की ठगी रतलाम में दो मामलों में 4.77 लाख का नुकसान, साइबर पुलिस कर रही जांच

मीडिया ऑडीटर, रतलाम(निप्र)। रतलाम में सायबर फ्रॉड के दो अलग-अलग मामले सामने आए है। दोनों ही मामलों में बैंक खातों से 4.77 लाख से अधिक की राशि ठगी गई। मामला शहर के दिनदयाल नगर व थाना औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ा है। दोनों ही मामलों में पुलिस अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच में जुटी है। पहला मामला रतलाम के गांव हरथली में रहने वाले सलीम (75)पिता नियाज मोहम्म्द निवासी ग्राम हरथली का है। इनके बैंक खाते से 3,75,998 रुपए गायब हो गए। सलीम खान खेती करते हैं। इनका बैंक खाता बैंक ऑफ बड़ौदा चांदनीचौक ब्रांच में है। इनके पास सैमसंग का मोबाइल है। एक जून को इनका मोबाईल ठीक से काम नहीं कर रहा था। ना तो किसी के फोन आ रहे और नहीं किसी को कॉल लग रहा था। बुजुर्ग ने मोबाईल में आई परेशानी को अपने बेटे मोहसिन को बताया। मोहसीन मोबाईल को ठीक कराने रतलाम लाया। रतलाम में बताया कि मोबाईल ठीक है, मगर सिम बंद हो चुकी है। बुजुर्ग ने 17 जून को मोबाईल में नई सिम डलवाई। 30 जून को

अपने सड़के मोहसीन से फोन पे पर आईडी बनाकर बैंक ऑफ बड़ोदा के खाते का बैंलेस चेक किया तो पता चला कि खाते में मात्र 14 हजार रुपए ही बचे हैं।

बैंक से मंगाया स्टेटमेंट: बुजुर्ग ने अपने लड़के मोहसीन को बैंक भेज कर स्टेंटमेंट मंगवाया। पता चला कि 2 से 10 जून के बीच इनके खाते से 3 लाख 75 हजार 998 रुपए निकाले गए हैं। तब इन्होंने डीडी नगर थाना पहुंच कर अपने साथ हुई ठगी की शिकायत की। उधर ग्राम बंजली में रहकर कर मजदूरी करने वाले पति-पत्नी के खाते से भी एक लाख रुपए की सायबर ठगी हुई है।

दूसरा मामला: शहर के थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत बंजली में रहने वाले साजिद पिता पीर मोहम्मद निवासी नई आबादी बंजली फोन पे चलाते हैं। कुछ दिनों से इनका फोन पे बंद था। इसके बाद इन्होंने गूगल पे डाउनलोड किया। कुछ समय के बाद मोबाईल हैक हो गया। इन्होंने मोबाइल रीसेट किया। फिर अपना पंजाब नेशनल बैंक के खाते को चेक किया। खाते में से 39 हजार 800 रुपए गायब मिले। इस दौरान इसी बैंक में अपनी पत्नी इसरत प्रवीण का अकाउंट चैक किया तो इसमें से भी 10 हजार रुपए गायब हो चुके थे। इन्होंने अपना दूसरी बैंक का खाता चैक किया तो पता चला कि 51 हजार 459 रुपए गायब थे। इस प्रकार कुल 1 लाख से अधिक की राशि उनके बैंक खाते से गायब थी। ठगी का अहसास होने पर इन्होंने तुरंत सायबर पुलिस के ऑनलाइन नंबर 1930 पर शिकायत की। इसके बाद थाने पहुंच अज्ञात बदमाशों के खिलाफ ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज किया है। शुक्रवार दर्ज हुए इन दोनों मामलों में पुलिस व सायबर टीम जांच कर रही है।

आठ दिन के इंतजार के बाद रायसेन में मानसून सक्रिय

बारिश से 60 हजार हेक्टेयर में बुवाई तेज सड़कों पर कीचड़ से परेशानी

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में आठ दिन के इंतजार के बाद मानसून सक्रिय हो गया। शुक्रवार दोपहर से शुरू हुई बारिश शनिवार सुबह तक रुक-रुककर जारी रही। धीमी गति की यह बारिश खेती के लिए लाभदायक मानी जा रही है। शनिवार सुबह स्कूली बच्चे छाता लेकर स्कूल पहुंचे। मौसम विभाग ने जिले में तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। लगातार बारिश के कारण शहर के कई वार्डों और मुख्य बाजार की सड़कों पर कीचड़ फैल गया। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, किसानों के लिए यह बारिश राहत भरी रही। खेतों में नमी बढ़ने से खेती-किसानी की गतिविधियां तेज हो गई हैं। मानसून की सक्रियता के चलते खरीफ सीजन ने भी गति पकड़ ली है। जिले के किसान धान, सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई में जुट गए हैं। कृषि विभाग के अनुसार, रायसेन जिले में अब तक 60 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुवाई पूरी हो चुकी है। बारिश का यह दौर जारी रहने पर बुवाई का रकबा और तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

नर्मदापुरम में एक घंटे में पौन इंच बारिशः सड़कों पर बहा पानी, अगले चार दिन बारिश का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में शुक्रवार दोपहर में एक घंटे जोरदार बारिश हुई। बारिश से शहर तरबतर हो गया। शहर में कई जगह सड़कों पर पानी भरा गया। बारिश होने से ठंडक घुल गई। उमस से लोगों को राहत मिली। एक घंटे में पौन इंच (19.8) मिमी) बारिश दर्ज की गई। हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी आधा इंच बारिश दर्ज की गई। जिले में अगले तीन से चार दिनों तक अच्छी बारिश होने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक आगामी चार दिन तक बारिश के अनुकूल हालात हैं। मौसमविद एसएन साहू ने बताया कि मानसून पिछले दो दिनों में पूरे प्रदेश को कवर कर चुका है। आगे भी इसके बने रहने की परिस्थितियां अनुकूल हैं। अगले तीन दिन तक अच्छी बारिश की स्थिति बन रही है। बंगाल की खाड़ी की ओर से बने मजबूत सिस्टम से बारिश की संभावनाएं और प्रबल हो गई हैं। जिले में पिछले दो दिनों से लगातार बादल छाए है। बारिश हल्की रही। कुछ स्थानों पर ही दर्ज हुई। शुक्रवार रात से जिले में अच्छी बारिश होने का अनुमान है। पानी भराने से लोगों को परेशानी हुई एक घंटे की बारिश से शहर के गांधी चौक पर पानी भरा गया। मालाखेड़ी क्षेत्र में लाइफ स्टाइल कॉलोनी के सामने बहाव की जगह नहीं होने से पानी सड़क पर भरा गया। जिससे वाहन निकालने में लोगों को परेशानी उठाना पड़ा।

खंडवा हाईवे पर ट्रक, बस और कार की तिहरी टक्कर अचानक ब्रेक लगाने से हादसा, 25 यात्रियों में छह घायल अस्पताल पहुंचे

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा के पंधाना थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के नेशनल हाईवे पर ट्रक, यात्री बस और कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में बस में सवार 6 यात्री घायल हो गए। राहत की बात यह रही कि सभी को मामूली चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, डायल-112, नेशनल हाईवे एंबुलेंस और बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 3 बजे बोरगांव पुलिस चौकी क्षेत्र के रुस्तमपुर के पास हुआ। अमरावती से इंदौर जा रही यात्री बस नेशनल हाईवे पर आगे चल रहे ट्रक के पीछे चल रही थी। इसी दौरान ट्रक ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे बस ट्रक से टकरा गई। इसके तत्काल बाद बस के पीछे आ रही कार भी बस से जा भिड़ी। देखते ही देखते हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई।

25 में से 6 यात्रियों की चोटें: बस में करीब 25 यात्री सवार थे। हादसे में 6 यात्रियों को चोटें आई। घायलों की पहचान बचकलाबाई पति नामदेवराव खोरे (78), अंबुबाई (70), संजय पाटिल (35), मुरलीधर सुने (24), संजय साहू (26) और अथर्व विकास पाटिल (24) के रूप में हुई है। सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई। वहीं कार में सवार लोगों को कोई चोट नहीं आई। कुछ समय हाईवे पर ट्रैफिक बाधित रहा इधर, सूचना मिलते ही बोरगांव पुलिस चौकी का अमला मौके पर पहुंचा। कुछ समय के लिए हाईवे पर ट्रैफिक बाधित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने दुरूस्त कराया। दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क किनारे सुरक्षित खड़ा कराया गया, जबकि ट्रक को जब्त कर बोरगांव चौकी लाया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक ड्राइवर के अचानक ब्रेक लगाने के कारण यह तिहरा हादसा हुआ। मामले की जांच जारी है।

मेसी के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि, डिएगो माराडोना का तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली ,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में लियोनेल मेसी का शानदार प्रदर्शन जारी है। मेसी हर मुकाबले के साथ नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। काबो वर्डे के खिलाफ खेले गए राउंड ऑफ 32 मुकाबले में भी मेसी ने एक और बड़ी उपलब्धि को अपने नाम किया। मेसी फीफा विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (गोल करने में मदद) करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज खिलाड़ी डिएगो माराडोना का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मेसी वर्ल्ड कप में अब कुल 9 असिस्ट कर चुके हैं, जबकि माराडोना ने अपने करियर के दौरान विश्व कप में 8 असिस्ट किए।

मेसी इसके साथ ही टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार आठ मुकाबलों में गोल करने वाले भी पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने काबो वर्डे के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले में एक गोल दागते हुए अर्जेंटीना को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अर्जेंटीना के कप्तान ने काबो वर्डे के खिलाफ मैच का पहला गोल किया। उन्होंने 29वें मिनट में लिसेंड्रो मार्टिनेज से मिले बेहतरीन पास को गोल में तब्दील किया। यह मेसी का विश्व कप में 20वां गोल रहा। फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड पहले ही मेसी अपने नाम कर चुके हैं। मेसी दो विश्व कप में 7 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। मेसी फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप पर मौजूद हैं। मेसी को कड़ी टक्कर फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे से मिल रही है, जो 6 गोल कर चुके हैं।

मेसी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना को काबो वर्डे के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद जीत नसीब हुई। 90 मिनट तक स्कोर 2-2 की बराबरी पर था। हालांकि, अतिरिक्त समय में काबो वर्डे के खिलाड़ी डिने बोर्गस मेसी के एक शॉट को क्लियर करने के प्रयास में अपना ही गोल कर बैठे। यह गोल निर्णायक साबित हुआ, जिसके बूते अर्जेंटीना मुकाबले को 3-2 से अपने नाम करने में सफल रही।

'अगर वैभव को नहीं खिलाना है तो साफ बता दो'

पूर्व भारतीय खिलाड़ी की टीम मैनेजमेंट को सलाह

नई दिल्ली ,एजेंसी। 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का टीम इंडिया के लिए डेब्यू का इंतजार अभी भी खत्म नहीं हुआ है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बावजूद उन्हें अब तक प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला है। इस बीच पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने टीम मैनेजमेंट को वैभव के साथ स्पष्ट संवाद रखने की सलाह दी है।

'साफ बता दें कि मौका नहीं मिलेगा'

स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान पार्थिव पटेल ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के साथ सही संवाद बेहद जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि अगर टीम मैनेजमेंट फिलहाल वैभव को खिलाने की योजना में नहीं है तो उन्हें यह बात साफ-साफ बता देनी चाहिए। पार्थिव ने कहा, 'मुझे लगता है कि इंग्लैंड सीरीज में किसी न किसी समय वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा। लेकिन इस समय सबसे जरूरी चीज कम्युनिकेशन है। जब आप कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होते हैं तो आपको बल्लेबाज को सही संकेत देने होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर आप उसे नहीं खिलाने वाले हैं तो यह बात भी उसे बता देनी चाहिए।

पीवी सिंधु: माता-पिता से मिली प्रेरणा

8 साल की उम्र में थामा रैकेट, दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को बचपन से ही खेल की दुनिया में कदम जमाने के लिए एक शानदार माहौल मिला। सिंधु के माता-पिता खुद खिलाड़ी थे तो उन्होंने बेटी को हर मुकाम पर पूरा सपोर्ट किया। सिंधु भी उम्मीदों पर हर बार खरी उतरीं, और वह ओलंपिक में भारत के लिए दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। पीवी सिंधु का जन्म 5 जुलाई, 1995 को हैदराबाद में हुआ। सिंधु के माता-पिता वॉलीबॉल खिलाड़ी थे, तो बचपन से ही उन्हें खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। सिंधु साल 2001 में इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में पुलेला गोपीचंद को मिली ऐतिहासिक जीत से काफी प्रभावित हुई थीं, और इस पल से उन्होंने इस खेल को अपनाने का फैसला किया था। सिंधु ने 8 साल की उम्र में बैडमिंटन रैकेट थामा और अपनीकड़ी मेहनत के दम पर इस खेल में रमती चली गईं। बैडमिंटन की बारीकियां सीखने के लिए उन्होंने गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में दाखिला लिया और जमकर प्रैक्टिस की। सिंधु बैडमिंटन के प्रति पूरी तरह से समर्पित थीं, और उन्होंने अपनी ट्रेनिंग के लिए लंबे समय तक मोबाइल फोन से भी दूरी बना ली थी। अपनी लगन और मेहनत के बूते सिंधु ने बैडमिंटन में एक के बाद एक उपलब्धियों को हासिल करती चली गईं। नेशनल लेवल पर दमदार प्रदर्शन के बाद, उन्होंने इंटरनेशनल स्तर पर भी अपने करियर की शानदार शुरुआत की। उन्होंने साल 2011 में महज 16 साल की उम्र में मालदीव इंटरनेशनल चैलेंज के खिताब को अपने नाम किया। 2012 में सिंधु एशियन जूनियर चैंपियन में गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहीं। वहीं, 2013 में उन्होंने मलेशिया ओपन ग्रैंड प्रिक्स का खिताब जीता। साल 2016 में पीवी सिंधु ने चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह साल सिंधु के लिए और भी यादगार साबित हुआ, और वह रियो ओलंपिक में देश के लिए सिल्वर मेडल लाने में सफल रहीं। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप में भी उनका जलवा देखने को मिला, और उन्होंने 2019 में इस खिताब को जीतकर इतिहास रचा। 2018 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में सिंधु महिला एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। वहीं, टोक्यो ओलंपिक 2020 में सिंधु ने कांस्य पदक जीतकर ऐतिहासिक 2016 उपलब्धि हासिल की। वह भारत के लिए ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं। बैडमिंटन के खेल में अहम योगदान के लिए सिंधु को साल 2013 में 'अर्जुन पुरस्कार' से नवाजा गया। वहीं, में उन्हें 'राजीव खेल रत्न' (अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न) और 2020 में 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया।

कनाडा के खिलाफ जीत के लिए सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा

मैच से पहले बोले मोरक्को के कोच ओआहबी

ह्यूस्टन ,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 के पहले मुकाबले में मोरक्को की भिड़ंत शनिवार को कनाडा से होगी। इस अहम मैच से पहले मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआहबी ने अपनी टीम को चेतावनी दी है कि नॉकआउट चरण में किसी भी गलती की गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि कनाडा जैसी मजबूत टीम के खिलाफ जीतने के लिए मोरक्को को अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ओआहबी ने कहा कि यह मुकाबला बेहद कठिन होने वाला है और इसमें एक छोटी सी गलती भी टूर्नामेंट से बाहर कर सकती है। उन्होंने कहा, 'अगर हम अपने स्तर पर नहीं खेले तो हम घर लौट जाएंगे।' मोरक्को ने ग्रुप चरण में पांच बार की चैंपियन ब्राजील के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर सभी को प्रभावित किया था। इसके बाद राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने नीदरलैंड्स जैसी मजबूत टीम को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। कोच ने बताया कि टीम के सभी खिलाड़ी पूरी तरह फिट हैं और मुकाबले के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'सभी खिलाड़ी ठीक हैं और जो भी मैदान में उतरेंगे, वे 100 प्रतिशत तैयार होंगे।' टीम के स्टार खिलाड़ी ब्राहिम डियाज के प्रदर्शन को लेकर हो रही आलोचना पर भी कोच ने प्रतिक्रिया दी। ओआहबी ने कहा कि एलीट खिलाड़ियों से हमेशा ज्यादा उम्मीद की जाती है। उन्होंने कहा कि डियाज भले ही अपने पिछले टूर्नामेंट जैसे प्रदर्शन तक नहीं पहुंचे हों, लेकिन वे टीम के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मैं खिलाड़ियों को सिर्फ गोल या असिस्ट से नहीं आंकता। डियाज डिफेंस में भी योगदान दे रहे हैं और टीम के लिए काम कर रहे हैं।' कोच ने उम्मीद जताई कि आने वाले मैचों में वे गोल भी करेंगे। मोरक्को और कनाडा के बीच अब तक चार मुकाबले खेले गए हैं, और मोरक्को को एक भी हार नहीं मिली है। 2022 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में आमने-सामने हुई थीं, जहां मोरक्को ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। कोच ओआहबी ने कनाडा की टीम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि कनाडा बहुत संगठित और अनुशासित टीम है। उनके खिलाड़ियों को पता है कि गेंद के साथ क्या करना है और वे मैदान पर बहुत ध्यान से खेलते हैं।

कोलंबिया ने शान से कटाया राउंड ऑफ 16 का टिकट

घाना को 1-0 से दी मात

कैनसस सिटी ,एजेंसी। कोलंबिया ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने अजेय रिकॉर्ड को राउंड ऑफ 32 में भी बरकरार रखा है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कैनसस सिटी स्टेडियम में घाना को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही कोलंबिया ने अंतिम 16 का टिकट हासिल कर लिया है। मैच में शुरुआत से ही कोलंबिया ने आक्रामक खेल दिखाया और घाना के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया। टीम को इसका फायदा भी जल्द ही मिला। मैच के 14वें मिनट में जॉन एरियास ने कोलंबिया की ओर से पहला गोल दागा। लुइस जेवियर सुआरेज के असिस्ट पर एरियास ने शानदार गोल दागा। पहले हाफ में कोलंबिया ने बढ़त को दोगुना करने के कई मौके बनाए। लुइस डियाज ने बॉक्स के अंदर से एक अच्छा शॉट लगाया, लेकिन वह लक्ष्य से चूक गया। वहीं, जोहान मोजिका के हेडर को घाना के गोलकीपर लॉरेंस अती-जिगी ने शानदार तरीके से बचाया। घाना की तरफ से भी कुछ हमले किए गए, लेकिन टीम कोलंबिया के डिफेंस को पहले हाफ में भेदने में नाकाम रही। दूसरे हाफ में भी कोलंबिया का दबदबा बना रहा। 56वें मिनट में लुइस डियाज ने एक और बार गेंद को नेट में पहुंचाया, लेकिन यह गोल ऑफसाइड होने के कारण अमान्य घोषित किया गया। इसके बाद भी कोलंबिया ने लगातार हमले जारी रखे, लेकिन टीम को दूसरा गोल करने में सफलता हाथ नहीं लग सकी। घाना की टीम पूरे मैच में कोलंबिया की मजबूत डिफेंस को भेदने में सफल नहीं हो पाई। मैच के दौरान घाना का एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लग सका।

हमने मिस्र में 120 मिलियन लोगों को खुश किया

टीम की ऐतिहासिक जीत पर बोले हैसेम हसन

अर्लिंगटन ,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में मिस्र ने पहली बार अंतिम 16 का टिकट हासिल कर लिया है। राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में मिस्र ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को 4-2 से हराया। यह मिस्र की वर्ल्ड कप इतिहास की पहली नॉकआउट जीत है। ऐतिहासिक जीत के बाद टीम के फॉरवर्ड खिलाड़ी हैसेम हसन ने कहा कि इस सफलता से उनके देश के लगभग 120 मिलियन लोग खुश हुए होंगे। मैच के बाद हसन ने कहा कि यह जीत सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का पल है। फॉरवर्ड खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि होटल के बाहर बड़ी संख्या में मिस्र के प्रशंसक उनका स्वागत करने के लिए मौजूद होंगे। उनके अनुसार यह दिन उनके करियर के सबसे खास दिनों में से एक है। हसन ने 'फीफा' से बातचीत में कहा, 'सच कहूं तो यह अविश्वसनीय एहसास है। हमने आज 120 मिलियन लोगों को खुश किया है। पूरे देश में जश्न मनाया जाएगा। इतने लोगों की खुशी का कारण बनना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। जब आप जानते हैं कि आपने इतने लोगों को खुश किया है, तो आपको भी बहुत खुशी मिलती है। यह हमारे लिए परफेक्ट दिन है। अब हम लॉकर रूम में जश्न मनाने के लिए उत्साहित हैं और उम्मीद है कि होटल में हमारे फैंस हमारा इंतजार कर रहे होंगे।' मिस्र और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा। 13वें मिनट में इमाम अशूर ने करीम हाफेज के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर मिस्र को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया को एक गोल मिल गया, जब मिस्र के खिलाड़ी एडेन ओ'नील ने गेंद को रोकने की कोशिश में गलती से उसे अपने ही नेट में डाल दिया। इससे स्कोर 1-1 से बराबर हो गया।

नाओमी ओसाका ने कसाटकिना को हराकर चौथे दौर में जगह बनाई

एजेंसी। नाओमी ओसाका ने शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार विंबलडन के चौथे दौर में जगह बना ली। 14वीं वरीयता प्राप्त जापानी स्टार ने ऑस्ट्रेलिया की डारिया कसाटकिना को मात्र 65 मिनट में 6-1, 6-3 से हराकर ऑल इंग्लैंड क्लब में अपने करियर का नया अध्याय लिखा। इस जीत के साथ ओसाका ने चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में दूसरे सप्ताह तक पहुंचने की उपलब्धि भी हासिल कर ली। ग्रास कोर्ट पर यह ओसाका का अब तक का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन रहा। उन्होंने पूरे मुकाबले में केवल चार गेम गंवाए और शुरुआत से ही मैच पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखा। उनकी दमदार सर्विस और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने कसाटकिना पूरी तरह बेअसर नजर आईं। पहले सेट में ओसाका ने अपनी सर्विस पर केवल पांच अंक गंवाए और 6-1 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में कसाटकिना ने वापसी की कोशिश की। उन्होंने लंबी रैलियों में ओसाका को उलझाया और अपने फोरहैंड से कुछ शानदार विनर्स लगाए। एक बेहतरीन लॉब की मदद से उन्होंने स्कोर 3-3 से बराबर भी कर लिया। हालांकि, सातवें गेम में ओसाका ने दबाव झेलते हुए तीन ड्यूस के बाद सर्विस ब्रेक हासिल किया और 4-3 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने कोई मौका नहीं गंवाया और लगातार दो गेम जीतकर मुकाबला सीधे सेटों में समाप्त कर दिया। यह दोनों खिलाड़ियों के बीच घास के कोर्ट पर पहली भिड़ंत थी, लेकिन नतीजा पहले जैसा ही रहा। ओसाका ने कसाटकिना के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 4-0 कर लिया। इतना ही नहीं, उन्होंने दोनों के बीच खेले गए नौ सेटों में से आठ अपने नाम किए हैं, जो इस प्रतिद्वंद्विता में उनकी स्पष्ट बढ़त को दर्शाता है। 27 वर्षीय ओसाका अब उन 31 सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के क्लब अल-नासर को मिला नया कोच

एंजे पोस्टेकोग्लू के हाथों में सौंपी कमान

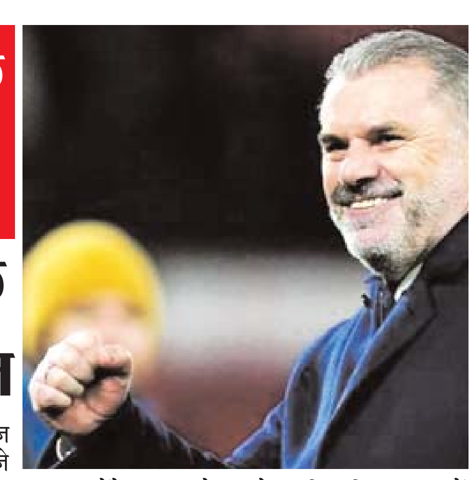

नई दिल्ली ,एजेंसी। सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।

जॉर्ज जीसस की जगह संभालेंगे जिमेदारी

एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।' रोनाल्डो समेत कई स्टार खिलाड़ियों को देंगे ट्रेनिंग पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी।

विज्ञान भवन बनेगा अनुसंधान और नवाचार का आधुनिक केंद्रः प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा

रायपुर में होगा राष्ट्रीय 'साइंस म्यूजियम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में विज्ञान एवं अनुसंधान गतिविधियों को नई दिशा देने की पहल के तहत प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज रायपुर स्थित विज्ञान केन्द्र का निरीक्षण कर छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीजी कॉस्ट) की केंद्रीय प्रयोगशाला सुविधा का जायजा लिया। उन्होंने प्रयोगशालाओं, तकनीकी इकाइयों एवं अन्य वैज्ञानिक सुविधाओं का अवलोकन करते हुए उनके आधुनिकीकरण, संसाधनों के विस्तार तथा गुणवत्ता उन्नयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में संभावित आगामी माह दिसम्बर में राजधानी रायपुर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय साइंस म्यूजियम का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर के साइंस सेंटर हिस्सा लेंगे। निरीक्षण के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव बोरा ने परिषद की सभी शाखाओं एवं प्रयोगशालाओं के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विज्ञान केन्द्र की लाइब्रेरी को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित बनाने, प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित करने तथा शोध एवं अनुसंधान गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विज्ञान केन्द्र को राज्य में विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार का उत्कृष्ट केंद्र बनाने के लिए दीर्घकालीन योजना के साथ कार्य किया जाए प्रमुख सचिव बोरा ने इस मौके पर विज्ञान केन्द्र परिसर में वृक्षारोपण भी किया।प्रमुख सचिव बोरा ने निर्देश दिए कि परिषद की वैज्ञानिक सुविधाओं का लाभ केवल परिषद तक सीमित न रहे, बल्कि शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों को भी उपलब्ध कराया जाए उन्होंने उपलब्ध संसाधनों की व्यापक समीक्षा कर उन्हें अधिक उपयोगी एवं सुलभ बनाने तथा युवाओं को विज्ञान गतिविधियों से जोड़ने के लिए विज्ञान केंद्रों की गतिविधियों का सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया।उन्होंने विज्ञान भवन में आवश्यक अधोसंरचना एवं गुणवत्ता मानकों का विकास कर

शीघ्र आईएसओ प्रमाणन प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिषद में संचालित जीआईएस आधारित प्रणाली के कार्यों की सराहना की तथा डीजीपीएस आधारित मैप निर्माण की कार्यप्रणाली की प्रशंसा की।प्रमुख सचिव ने परिषद की सभी शाखाओं एवं प्रयोगशालाओं के प्रभारियों को आगामी दो वर्षों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रस्तावित साइंस सिटी परियोजना की तैयारियों में तेजी लाने, आवश्यक मानव संसाधन विकसित करने, नए पदों के सृजन एवं भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने विज्ञान केन्द्र में उपलब्ध वैज्ञानिक उपकरणों एवं भवनों के नियमित रखरखाव और मरम्मत के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र के बेहतर संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नियमित समीक्षा की जाएगी।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर एवं सीजी कॉस्ट के महानिदेशक प्रशांत कवीश्वर, डॉ. शिरीष कुमार सिंह, डॉ. अमित मेश्राम, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. अमित राम, सु प्रज्ञा कदम, डॉ. वसीम रजा, क्यूरेटर प्रदीप कुर्रे सहित परिषद के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मंत्रिमंडल का दो दिवसीय 'चिंतन शिविर 3.0' का आयोजन 4 जुलाई से

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल का दो दिवसीय 'चिंतन शिविर 3.0' का आयोजन 4 एवं 5 जुलाई को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रायपुर में किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा आईआईएम रायपुर के सहयोग से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य शासन की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, नवाचार आधारित तथा परिणामोन्मुख बनाते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के विज़न को नई गति देना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बदलते समय की चुनौतियों और अवसरों के अनुरूप शासन को भी निरंतर सीखना, स्वयं का मूल्यांकन करना और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करना चाहिए। इसी सोच के अनुरूप आयोजित यह चिंतन शिविर मंत्रिमंडल और विभिन्न क्षेत्रों के राष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच संवाद, अनुभव-साझाकरण तथा नीति-निर्माण का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।शिविर में प्रदेश के समग्र, संतुलित और समावेशी विकास से जुड़े विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। कृषि, ग्रामीण विकास, उद्योग, निवेश, पर्यटन, खेल, नवाचार, उभरती प्रौद्योगिकी, सुशासन, संस्थागत सुधार, नेतृत्व विकास तथा प्रभावी जनसेवा जैसे विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित होंगे। इन चर्चाओं के आधार पर शासन की प्राथमिकताओं, विभागीय समन्वय और जनहितकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए भावी रणनीति तैयार की जाएगी।मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि सुशासन केवल योजनाएँ बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समय की मांग के अनुरूप स्वयं को निरंतर बेहतर बनाते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना भी है। चिंतन शिविर इसी सतत सुधार की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित करना है जो पारदर्शी, उत्तरदायी, संवेदनशील और परिणाम आधारित हो तथा जिसका प्रत्यक्ष लाभ प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक पहुँचे।

सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धः राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने बलौदाबाजार- भाटापारा जिला के बलौदाबाजार विकासखंड के ग्राम पंचायत देवरी के ग्रामीणों को बड़ी सौगात देते हुए 44 लाख रुपये की लागत वाले तीन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मंत्री वर्मा ने कहा कि सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आज गांव-गांव और घर-घर तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीण अंचलों में खुशहाली और समृद्धि का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। राजस्व मंत्री ने जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ग्राम देवरी में 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित चेक डैम का लोकार्पण किया गया। इसी प्रकार महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए 16 लाख रुपये की लागत से बने भव्य 'महतारी सदन' भवन का उद्घाटन तथा सामुदायिक आयोजनों की सुविधा के लिए 8 लाख रुपये की लागत से बनने वाले शेड निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई।

हर गांव तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार गांवों के समग्र और चहुंमुखी विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। नवनिर्मित चेक डैम से क्षेत्र के भू-जल स्तर में सुधार होगा, जिससे हमारे किसान भाईयों को सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलेगी। वहीं दूसरी ओर महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन, कौशल विकास और सामुदायिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। इस विकास उत्सव के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभापति सहित स्थानीय सरपंच, बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि तथा प्रबुद्ध ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से गंभीर श्वसन रोग से पीड़ित मासूम को मिली 95,500 रुपये की स्वास्थ्य सहायता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल से गंभीर श्वसन रोग से पीड़ित सरगुजा जिले की मासूम रेणुका खलखो के उपचार का रास्ता आसान हो गया है। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में परिजनों द्वारा सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने मामले पर तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके फलस्वरूप मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत उपचार के लिए 95 हजार 500 रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अनुशंसा पर राज्य नोडल एजेंसी द्वारा जारी स्वीकृति आदेश के अनुसार यह राशि झारखंड के रांची स्थित रानी हॉस्पिटल में मासूम के श्वसन संबंधी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए प्रदान की गई है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए यह सहायता बड़ी राहत लेकर आई है। समय पर मिली आर्थिक मदद से अब रेणुका का बेहतर उपचार संभव हो सकेगा। परिजनों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से उन्हें अपनी बच्ची के इलाज की नई उम्मीद मिली है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना गंभीर एवं आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए जीवनरक्षक सहायता का प्रभावी माध्यम बन रही है।

देवभूमि और छत्तीसगढ़ के बीच बढ़ा वैचारिक सेतु : मुख्यमंत्री धामी से मिले छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधि

मीडिया प्रतिनिधियों को मिला हरिद्वार कुंभ का आमंत्रण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री निवास (देहरादून) में आज छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से एक अत्यंत गरिमामय और सौजन्य भेंट हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने छत्तीसगढ़ की मीडिया टीम और अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उत्तराखंड के बहुआयामी विकास, सांस्कृतिक धरोहर तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यों की जानकारी दी।'विकास भी, विरासत भी': क्षेत्रीय प्राधिकरणों से संवर रहा है उत्तराखंड

मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार 'विकास भी, विरासत भी' के मूल मंत्र पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि नैनीताल, गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्रों के लिए अलग-अलग विकास प्राधिकरणों का गठन कर उनके विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों का संतुलित सामाजिक, आर्थिक और नैसर्गिक विकास करना है, ताकि यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा सके। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने जोर देकर कहा कि उत्तराखंड ऋषियों, मुनियों और संतों की पावन तपोस्थली है। इस देवभूमि की आध्यात्मिक पहचान को संभालना हम सभी का परम दायित्व है। उन्होंने नैसर्गिक संपदा (प्राकृतिक संसाधनों) के संरक्षण पर विशेष बल दिया, ताकि भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण संजोकर रखा जा सके। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत करने में छत्तीसगढ़ सरकार की भूमिका अनुकरणीय संवाद के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरगामी सोच की जमकर सराहना की।

पांडुका में 202 बोरी संदिग्ध डीएपी खाद जब्त कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा खरीफ मौसम 2026 के दौरान उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रय केंद्रों के साथ-साथ अवैध भंडारण एवं नकली उर्वरकों के विरुद्ध कृषि विभाग द्वारा लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कृषि विभाग की टीम ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम पांडुका में बड़ी कार्रवाई करते हुए 202 बोरी संदिग्ध डीएपी खाद जब्त की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड खैरागढ़ अंतर्गत ग्राम पांडुका निवासी राजेश वर्मा के गोदाम से महाराष्ट्र निर्मित 202 बोरी खाद बरामद की गई, जिस पर डीएपी अंकित था। विभाग को सूचना मिली थी कि उक्त खाद किसानों को 1,900 रुपये प्रति बोरी की दर से बेची जा रही है। सूचना के आधार पर कृषि विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की।प्रारंभिक जांच के दौरान राजेश वर्मा द्वारा उक्त खाद को मनोज वर्मा का बताया गया, किंतु खाद की खरीदी एवं भंडारण से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। दस्तावेजों के अभाव में कृषि विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संपूर्ण स्टॉक को जब्त कर लिया तथा प्रकरण को न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत एवं पंजीकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक, बीज एवं अन्य कृषि आदान सामग्री खरीदें तथा खरीदारी के समय पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि पंजीकृत विक्रेताओं के साथ-साथ अन्य व्यक्तियों द्वारा कालाबाजारी, मुनाफाखोरी, अवैध भंडारण अथवा नकली खाद से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल कृषि विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर किसानों के हितों की रक्षा की जा सके। कार्रवाई के दौरान सहायक संचालक कृषि लुकमान साहू, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी लखेश्वर तिवारी, देवेंद्र वर्मा एवं अश्विन पटौती उपस्थित रहे।

भीमभौरी में अवैध वृक्ष कटाई पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रेंगाखार तहसील के ग्राम भीमभौरी में आम के पेड़ों की अवैध कटाई और लकड़ी के अवैध परिवहन के मामले में जिला प्रशासन ने त्वरित और सख्त कार्रवाई की है। राजस्व, वन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए लकड़ी से भरा एक ट्रक और एक क्रेन जब्त कर पुलिस की सुपुर्दगी में सौंप दिया है जानकारी के अनुसार, नायब तहसीलदार प्रेमनारायण साहू को ग्राम भीमभौरी में अवैध वृक्ष कटाई की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही वे राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान खसरा क्रमांक 108 में 12 आम के पेड़ अवैध रूप से कटे हुए पाए गए। कटी हुई लकड़ी को परिवहन के लिए तैयार किया जा

रहा था।

फर्जी वन मुहर का किया गया इस्तेमाल

निरीक्षण के दौरान लकड़ी पर वन विभाग की मुहर लगी दिखाई दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग को बुलाया गया। मौके पर पहुंचे डिप्टी रेंजर भूपेंद्र कुमार ने जांच की, जिसमें यह मुहर फर्जी पाई गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अवैध लकड़ी को वैध दिखाने के लिए वन विभाग की नकली सील का उपयोग किया गया था।

मध्य प्रदेश भेजी जा रही थी लकड़ी

प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला कि कटे हुए आम के लट्ठों को मध्य प्रदेश के इंदौर भेजने की तैयारी थी। प्रशासन की समय पर कार्रवाई से अवैध परिवहन को रोक दिया गया।

जांच जारी, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

वन विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर जब्ती की कार्रवाई की गई। मामले की विस्तृत जांच जारी है अवैध वृक्ष कटाई, फर्जी सील के उपयोग और लकड़ी तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और अवैध वृक्ष कटाई तथा लकड़ी तस्करी पर रोक लगाने के लिए आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

राज्यपाल डेका से सर्वोदय शांति पदयात्रा के संतों ने की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में जैन मुनि राष्ट्र संत डॉ. मणिभद्र महाराज के नेतृत्व में संचालित सर्वोदय शांति पदयात्रा से जुड़े संतों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ आगमन पर संतों का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि संत समाज के विचार और जीवन मूल्य समाज में शांति, सद्भाव, नैतिकता तथा मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सर्वोदय शांति पदयात्रा को सामाजिक समरसता, अहिंसा और विश्व बंधुत्व का प्रेरक अभियान बताते हुए इसकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

सरकार गांव, गरीब और किसानों की तरक्की के लिए प्रतिबद्धः मंत्री टंक राम वर्मा

राजस्व मंत्री ने ग्राम झोंका को दी विकास कार्यों की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों के चहुंमुखी विकास और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। इसी कड़ी में आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम पंचायत झोंका में विकास कार्यों की बड़ी सौगात मिली। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने यहाँ विभिन्न जनकल्याणकारी और विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर क्षेत्र के विकास को और गति देने के लिए 27 लाख रुपये से अधिक की नई विकास योजनाओं की घोषणा भी की। ग्राम झोंका में आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्व मंत्री वर्मा ने महामाया मंदिर सामुदायिक भवन, केश डबरी प्रवेश द्वार, पचरी निर्माण, महतारी सदन, मुक्तिधाम शेड, तालाब गहरीकरण तथा

रंगमंच भवन सहित विभिन्न अधोसंरचना कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने कुर्मी पारा में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर उसे आम जनता को समर्पित किया।

गांवों के चहुँमुखी विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब और किसानों की तरक्की के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना हमारी प्राथमिकता है ताकि ग्रामीणों का जीवन स्तर और बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में राशि की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। इन महत्वपूर्ण कार्यों की हुई घोषणा ग्रामीणों की पुरजोर मांग और क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए राजस्व मंत्री ने कार्यक्रम के मंच से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं,जिसमे प्राथमिक शाला में सुलभ शौचालय निर्माण हेतु 2 लाख रुपये, छापड़ तालाब के गहरीकरण के लिए 10 लाख रुपये, मुक्तिधाम में शेड निर्माण के लिए 7 लाख रुपये,

तालाबों में पचरी निर्माण के लिए 3 लाख रुपये और सामुदायिक भवन एवं ज्योति कक्ष निर्माण हेतु 5 लाख रुपये देने का ऐलान किया। इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए उन्होंने जागृति महिला मंडल को 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि देने की भी सहर्ष घोषणा की।

बंदूक छोड़ विकास की राह चुनी, शासकीय योजनाओं ने बदली मड़कम भीमा की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुकमा जिले में शासन की पुनर्वास नीति और जनकल्याणकारी योजनाएं लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। कोंटा विकासखंड के ग्राम पंचायत पोलमपल्ली के निवासी मड़कम भीमा इसकी प्रेरक मिसाल हैं। उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास और लोकतंत्र की मुख्यधारा को अपनाया। जिला प्रशासन और सुरक्षा बलों के सहयोग से आज वे सम्मान के साथ सामान्य जीवन जी रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला अपना पक्का घर

मुख्यधारा में लौटने के बाद जिला प्रशासन ने मड़कम भीमा को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उन्हें पक्का घर बनाने के लिए आर्थिक सहायता मिली। अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक घर में रह रहा है। इस योजना ने उनके जीवन में स्थिरता और भविष्य के प्रति नया

विश्वास पैदा किया।

मनरेगा से मिला रोजगार, बढ़ी आत्मनिर्भरता

मड़कम भीमा को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत रोजगार भी उपलब्ध कराया गया। उन्होंने गांव के विकास कार्यों में मेहनत से काम किया और मजदूरी की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई और आत्मविश्वास भी बढ़ा।

नई सोच के साथ बदली जिंदगी

आज मड़कम भीमा अपने परिवार के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जी रहे हैं। वे मानते हैं कि शासकीय योजनाओं और जिला प्रशासन के सहयोग ने उन्हें नई पहचान और नया जीवन दिया है।

सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धः राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने आज बलौदाबाजार- भाटापारा जिला के बलौदाबाजार विकासखंड के ग्राम पंचायत देवरी के ग्रामीणों को बड़ी सौगात देते हुए 44 लाख रुपये की लागत वाले तीन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मंत्री वर्मा ने कहा कि सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आज गांव-गांव और घर-घर तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीण अंचलों में खुशहाली और समृद्धि का एक नया दौर दिखाई दे रहा है राजस्व मंत्री ने जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ग्राम देवरी में 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित चेक डैम का लोकार्पण किया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा